www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 35.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 95.770g
चांदी 78.800kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 आतंकवाद से लड़ाई की सच्चाई, तहव्वुर हुसैन राणा का भारत में प्रत्यर्पण

चीन ने बोइंग जेट की डिलीवरी लेने से इनकार किया 04

वर्ष :08 | अंक :294 | मुंबई ,बुधवार ,16 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

नेशनल हेराल्ड केस :सोनिया, राहुल के खिलाफ ईडी ने दायर की चार्जशीट

सैम पित्रोदा और सुमन दुबे का नाम भी शामिल ,मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप; 25 अप्रैल को सुनवाई

नेशनल हेराल्ड केस

समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस ओवरसीज चीफ सैम पित्रोदा के खिलाफ दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अभियोजन शिकायत दर्ज की है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र में दोनों नेताओं को आरोपी नंबर और नंबर 2 के तौर पर नामित किया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस ओवरसीज चीफ सैम पित्रोदा के खिलाफ दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अभियोजन शिकायत दर्ज की है।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस क्या है?

ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में अपनी जांच तब शुरू की जब 2014 में सुब्रमण्यम स्वामी ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें सोनिया, राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं पर महज 50 लाख रुपये में एजेएल की संपतियां हड़पने का आरोप लगाया गया था। इन संपत्तियों की कीमत 2,000 करोड़ रुपये से अधिक है। जांच के तहत 2022 में सोनिया और राहुल दोनों से पूछताछ की गई थी।

आरोपपत्र में सुमन दुबे और अन्य का भी नाम है। अदालत ने संज्ञान तर्कों की सुनवाई 25 अप्रैल के लिए निर्धारित की है धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए अभियोजन शिकायत दर्ज की गई है, जैसा कि धारा 3 के तहत परिभाषित किया गया है, धारा 70 के साथ पढ़ें, और पीएमएलए, 2002 की धारा 4 के तहत दंडनीय है।

नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जिसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। सोनिया और राहुल गांधी दोनों के पास यंग इंडियन में 38 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जिससे वे इसके बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाते हैं। सोनिया और राहुल यंग इंडियन के बहुसंख्यक शेयरधारक हैं, जो कांग्रेस द्वारा दिए गए कथित ऋण के बदले 50 लाख रुपये में एजीएल और इसकी संपत्ति हासिल करने के आरोपों को लेकर ईडी की जांच के दायरे में है।

सोनिया-राहुल से घंटों हुई थी पूछताछ

जून 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ हुई थी। फिर 21 जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे। इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए। ईडी ने राहुल गांधी से भी जून में पांच दिनों में 50 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी।

बंगाल के हालात पर केंद्र की नजर

बांग्लादेशी घुसपैठियों की भूमिका को लेकर एक्शन में गृह मंत्रालय

सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से जान-माल की सुरक्षा में विफलता, रेलवे संपत्तियों पर हमले और हिंसा के शुरूआती चरणों के दौरान पुलिस की निष्क्रियता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है।

सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से जान-माल की सुरक्षा में विफलता, रेलवे संपत्तियों पर हमले और हिंसा के शुरूआती चरणों के दौरान पुलिस की निष्क्रियता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है। इस बीच, भाजपा नेताओं ने टीएमसी सरकार पर एसएससी भर्ती घोटाले से ध्यान हटाने के लिए वक्फ विधेयक पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया है, जिसने 26,000 से अधिक उम्मीदवारों की नौकरियों को खतरे में डाल दिया है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि हिंसा टीएमसी शासन के तहत हिंदुओं की गहरी असुरक्षा को उजागर करती है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के तीन सीमावर्ती क्षेत्रों में हाल ही में हुई हिंसा पर चिंता जताई और एहतियात के तौर पर अतिरिक्त अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। हिंसा की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता है, जिन्हें कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने बाद में इन तत्वों पर नियंत्रण खो दिया। हिंसा के कारण हिंदू परिवार विस्थापित हो गए, जिससे कई लोग मालदा भाग गए, जिससे नए सिरे से घुसपैठ और सांप्रदायिक अशांति की आशंका पैदा हो गई। वहीं, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों को शांति बहाल करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। अतिरिक्त महानिदेशक (पूर्व) रवि गांधी के नेतृत्व में बीएसएफ के एक प्रतिनिधिमंडल ने सुती और समशेरगंज पुलिस थाना क्षेत्रों के साथ-साथ धुलियान के कई अशांत इलाकों का दौरा किया- ये सभी क्षेत्र मुस्लिम बहुल जिले में स्थित हैं, जहां सप्ताहांत में व्यापक अशांति देखी गई। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के एक बयान के अनुसार, गांधी दिन में पहले मालदा पहुंचे और हिंसा प्रभावित इलाकों का गहन दौरा किया, उनके साथ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक करणी सिंह शेखावत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। टीम ने पीड़ितों और स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उन्हें बल के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। गांधी ने दौरे के बाद बताया, हमने लोगों से बात की और उन्हें उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एचसी ने अलगाववादी नेता को जमानत देने से किया इनकार, कहा- लंबी कैद नहीं हो सकती बेल का आधार

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि विचाराधीन कैदी की लंबी कैद ऐसे आतंकी मामलों में जमानत देने का आधार नहीं हो सकती, जिनका देशव्यापी प्रभाव हो और जिनका उद्देश्य देश की एकता को अस्थिर करना हो। न्यायमूर्ति नवीन चावला और शैलिंदर कौर की पीठ ने यह टिप्पणी की और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद से जुड़े आतंकी वित्तपोषण मामले में अलगाववादी नेता नईम अहमद खान को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपी ने अपनी जमानत याचिका के खिलाफ निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि निकट भविष्य में मुकदमा समाप्त होने की संभावना नहीं है और हिरासत में बिताए गए समय को स्वतंत्रता के उसके मौलिक अधिकार के साथ संतुलित करने के लिए उसे जमानत दी जानी चाहिए।

आईएमडी ने इस साल सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की

मौसम विभाग का अनुमान है कि 2025 में भारत में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मौसमी वर्षा के दीर्घावधि औसत के 105% रहने का अनुमान लगाया है। अधिकारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि यह अनुमान 5% के मॉडल त्रुटि मार्जिन के साथ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल में आगे बढ़ना शुरू करता है और सितंबर के मध्य तक वापस चला जाता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने कहा कि अनुमानित औसत से अधिक बारिश कृषि क्षेत्र को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकती है। कटऊ के अनुसार, इस वर्ष के पूवार्नुमान से पता चलता है कि देश के अधिकांश हिस्सों को अनुकूल वर्षा की स्थिति से लाभ होने की संभावना है, कुछ क्षेत्रों को छोड़कर। चार महीने के मानसून के मौसम के दौरान लद्दाख, पूर्वोत्तर और तमिलनाडु में सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है। सामान्य वर्षा को 50 साल के औसत 87 सेमी (लगभग 35 इंच) के 96% और 104% के बीच परिभाषित करता है। इस सीमा से ऊपर की कोई भी मात्रा सामान्य से ऊपर मानी जाती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि इस बार मानसून में भारत में सामान्य से अधिक बारिश होगी। आईएमडी ने मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति बनने की संभावना को भी खारिज कर दिया। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्यह्यभारत में चार महीने (जून से सितंबर) के मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है

सीएम ममता हिंसा भड़काने का कर रहीं प्रयास:रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बंगाल सरकार पर बड़ा आरोप

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री लोगों को विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाकर और यह कहकर हिंसा भड़का रही हैं कि वह संसद में पारित कानून को लागू नहीं करेंगी। राज्य में वक्फ अधिनियम से संबंधित हिंसा के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में रिजिजू ने बनर्जी को दोषी ठहराया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राज्य में संशोधित वक्फ अधिनियम के कार्यान्वयन का विरोध करने वाले अपने सार्वजनिक बयानों के माध्यम से हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। कोच्चि में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए रिजिजू ने सवाल किया कि संवैधानिक पद पर आसीन मुख्यमंत्री कैसे खुले तौर पर घोषणा कर सकती हैं कि वह संसद द्वारा पारित कानून को लागू नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि कैसे वह कैसे कह सकती हैं कि वह इसे लागू नहीं करेंगी? वह एक संवैधानिक पद पर बैठी हैं और कानून एक संवैधानिक निकाय द्वारा पारित किया गया है, फिर वह कैसे कह सकती हैं कि वह किसी ऐसी चीज का पालन नहीं करेंगी जो संवैधानिक है। उन्होंने कहा कि इस तरह का रुख संवैधानिक ढांचे और कानून के शासन को कमजोर करता है केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री लोगों को विरोध-प्रदर्शन के लिए उकसाकर और यह कहकर हिंसा भड़का रही हैं कि वह संसद में पारित कानून को लागू नहीं करेंगी। राज्य में वक्फ अधिनियम से संबंधित हिंसा के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में रिजिजू ने बनर्जी को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लोगों से विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहकर और यह कहकर कि वह संसद द्वारा पारित कानून का पालन नहीं करेंगी, स्पष्ट रूप से हिंसा भड़का रही हैं। हिंसा ने दक्षिण 24 परगना और मुर्शिदाबाद जिलों के भांगड़ जैसे क्षेत्रों कोविशेष रूप से प्रभावित किया है, जहां झड़पों के परिणामस्वरूप चोटें, संपत्ति की क्षति और मौतें हुई हैं।

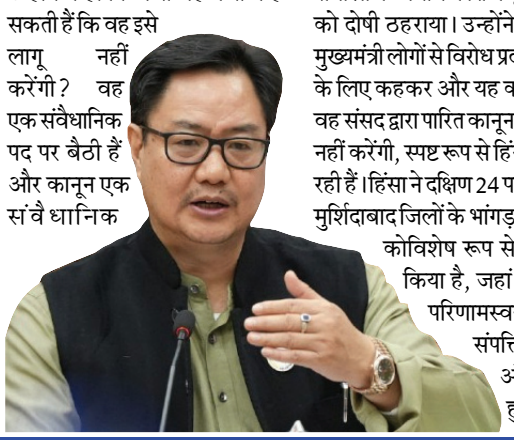

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटीं एजेंसियां

एजेंसी

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की देखरेख कर रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। अधिकारियों ने एक एफआईआर दर्ज की है और गुमनाम धमकी के मामले की जांच शुरू कर दी है, जिससे मंदिर परिसर और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। इसको लेकर मंदिर और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं।

'लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे', बंगाल हिंसा :सीएम योगी

सीएम योगी ने हरदोई में 650 करोड़ रुपए की 729 परियोजनाओं का किया लोकार्पण तथा शिलान्यास

योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है। लेकिन सरकार चुप है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सब चुप हैं। मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस चुप है। समाजवादी पार्टी चुप है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में हुई हालिया हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस मुद्दे पर सीधे तौर पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि हिंसा से ग्रस्त लोग बातचीत से नहीं समझेंगे। उन्हें केवल लाठी से ही होश आएगा (लातों के भूत, बातों से नहीं मानेंगे)। अगर कोई बांग्लादेश से इतना प्यार करता है, तो वह वहां जाने के लिए स्वतंत्र है। योगी ने कहा कि बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वे दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मनवाने वाले हैं? लेकिन धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद पिछले एक हफ्ते से जल रहा है। लेकिन सरकार चुप है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सब चुप हैं। मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस चुप है। समाजवादी पार्टी चुप है। टीएमसी चुप है। वे धमकियाँ दे रहे हैं। वे बेशर्मी से बांग्लादेश में जो हुआ उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें वहां चले जाना चाहिए। वे भारत की धरती पर बोझ क्यों बन रहे हैं? इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम को लेकर हुई हिंसा के दौरान हिंदुओं को उनके घरों से घसीटकर मार डाला गया।

दिल्ली में कांग्रेस और आरजेडी की बड़ी बैठक

तेजस्वी बोले- हाईजैक हो चुके नीतीश, बिहार में एनडीए की नहीं बनेगी सरकार

बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बैठक की और सकारात्मक चर्चा हुई। हम 17 अप्रैल को पटना में फिर मिलेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और हम बिहार को आगे ले जाना चाहते हैं। राज्य में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली में बिहार चुनाव से पहले राजद और कांग्रेस के बीच बड़ी बैठक हुई। राजद नेता तेजस्वी यादव और मनोज झा ने लोकसभा नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने बैठक की और सकारात्मक चर्चा हुई। हम 17 अप्रैल को पटना में फिर मिलेंगे। हम पूरी तरह तैयार हैं और हम बिहार को आगे ले जाना चाहते हैं। राज्य में एनडीए सरकार के 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम चर्चा करेंगे और सर्वसम्मति से सीएम का चेहरा तय करेंगे। 'नीतीश जी तो हाईजैक हो चुके हैं'। एनडीए इस बार बिहार में सरकार नहीं बना रहा है। 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष बिहार के बक्सर में मतदाताओं को लुभाने के लिए एक जनसभा करेंगे। उम्मीद है कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ मंच पर राजद के नेता भी होंगे, ताकि भारतीय जनता पार्टी की एकता और ताकत का प्रदर्शन किया जा सके।

'मंदिरों में ताकत होती तो गोरी-गजनवी जैसे लुटेरे नहीं आते'

सपा विधायक इंद्रजीत सरोज का विवादित बयान

सरोज ने कहा कि देश के देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। समाजवादी पार्टी के विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से इस देश में आया और देश को लूटा। मुहम्मद गौरी इस देश को लूटने आया था। तो इस देश के देवी-देवताओं ने क्या किया?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश, समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल उठाया था। एएनआई से बात करते हुए सरोज ने कहा कि देश के देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। समाजवादी पार्टी के विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे।

संघर्ष

मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर ममता सरकार पर बरसे अधीर रंजन चौधरी

'लोग जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं'

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से जुड़ी हालिया हिंसा को लेकर नाटक करने का आरोप लगाया। मुर्शिदाबाद हिंसा में घायल लोगों से मिलने पहुंचे बरहामपुर से पूर्व कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बहुत सारे लोग अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन पुलिस और राज्य सरकार चुप हैं। लोग जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, फिर भी राज्य सरकार कुछ नहीं कहती है। मुर्शिदाबाद के बरहामपुर से पूर्व सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा करती हैं और उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आम मुसलमानों को जिहादी कहने का मौका देने का आरोप लगाया। चौधरी ने एएनआई से कहा, हम सभी जानते हैं कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री नाटक कर रही हैं, वह धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा करती हैं। बंगाल सरकार भाजपा को आम मुसलमानों को जिहादी कहने का मौका दे रही है और इससे किसे फायदा होगा? टीएमसी और भाजपा को इससे फायदा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दंगे वहीं होते हैं जहां सरकार चाहती है। एक बार गोधरा में ऐसा हुआ क्योंकि सरकार चाहती थी। बंगाल में भी ऐसा हो रहा है क्योंकि सरकार चाहती है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बाहर से शांति सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी भाजपा ने भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार की आलोचना की है कि वह कथित तौर पर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है, खासकर हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में। पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि हिंसा का इस्तेमाल स्कूल चयन आयोग (एसएससी) की जांच से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, इससे ज्यादा दुख की बात क्या हो सकती है, मैं यहीं का रहने वाला हूं। मैं यहीं पला-बढ़ा, यहीं राजनीति की, इससे ज्यादा दुख की बात क्या हो सकती है, मुर्शिदाबाद ऐसा नहीं हैङ्क यहां हिंदू और मुसलमान साथ-साथ पले-बढ़े हैं। बाहर से कुछ अलग तरह के तत्व आकर कोई घटना कर सकते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि मुर्शिदाबाद एक सांप्रदायिक जिला बन गया है, ऐसा नहीं है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बीते दिनों जमकर हिंसा हुई थी।

मुर्शिदाबाद के बरहामपुर से पूर्व सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री धर्मनिरपेक्ष होने का दिखावा करती हैं और उन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आम मुसलमानों को जिहादी कहने का मौका देने का आरोप लगाया।

अमित शाह का जिक्र कर बोले उमर अब्दुल्ला, जम्मू कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद

उमर अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में जम्मू और श्रीनगर का दौरा किया। मेरी उनसे अच्छी मुलाकात हुई। मुझे उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलेगा।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलेगा। अगस्त 2019 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू-कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा प्रभावी रूप से समाप्त हो गया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। उमर अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने हाल ही में जम्मू और श्रीनगर का दौरा किया। मेरी उनसे अच्छी मुलाकात हुई।

मुझे उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलेगा। पिछले सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया और वर्तमान कानून-व्यवस्था परिदृश्य का आकलन करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। जम्मू-कश्मीर के सीएम ने यह भी कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने नए वक्फ अधिनियम को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। अब्दुल्ला ने कहा, हमने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

हम देखेंगे कि अदालत इस पर क्या फैसला करती है। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025, 8 अप्रैल (मंगलवार) को लागू हुआ।

सम्पादकीय

मीडिया-मनोरंजन क्षेत्र में नई क्रांति, भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

मनोरंजन एवं मीडिया उद्योग में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह तेजी से बढ़ रहा है और लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में फल-फूल रहा है। हम इंटरनेट कनेक्शन पर आडियो-वीडियो सामग्री को निरंतर प्रसारित करने की सेवाओं, क्षेत्रीय भाषा सामग्री और तकनीक-प्रेमी दर्शकों के उदय से प्रेरित विविध प्लेटफार्मों पर सामग्री निर्माण में उछाल देख रहे हैं।ऐसी सामग्री ताजा, आकर्षक और समावेशी आख्यानों की मांग करती है। इस क्षेत्र में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं। न केवल मनोरंजन के स्रोत के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, आर्थिक विकास और वैश्विक प्रभाव के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में भी। विश्व आडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन, जिसे संक्षिप्त शब्द वेव्स के नाम से जाना जाता है, आगामी एक से चार मई के बीच आयोजित होने जा रहा है।मुंबई स्थित बीकेसी के जियो कन्वेंशन सेंटर में होने वाला भारत सरकार का यह आयोजन देश की बढ़ती पहचान का गवाह होगा। अपने दशकों के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि कहानियों में एकजुट करने, प्रेरित करने और बदलने की ताकत है। वेव्स और वेव्स बाजार के साथ हम वैश्विक मनोरंजन समुदाय के लिए अधिक सहयोगी एवं समावेशी भविष्य बनाने की दिशा में एक साहसिक कदम उठा रहे हैं।वेव्स बाजार वैश्विक मनोरंजन इकोसिस्टम में पेशेवरों, व्यवसायों और रचनाकारों को जोड़ने के लिए तैयार किया गया एक क्रांतिकारी आनलाइन बाजार बनाने का प्रयास है। सहजता से और मिल-जुलकर काम करने को बढ़ावा देने के अपने मिशन के साथ वेव्स बाजार मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए अंतिम व्यावसायिक केंद्र के रूप में काम करने का प्रयास करता है, ताकि पेशेवरों को अपनी पहुंच का विस्तार करने, नए अवसरों की खोज करने और उच्च-मूल्य वाली साझेदारियों में शामिल होने में मदद मिलती है।इस साल 27 जनवरी को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा वेव्स बाजार मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में वेव्स शिखर सम्मेलन को एक प्रमुख कार्यक्रम में बदलने के प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण साधन है। यह वित्त और अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के लिए दावोस शिखर सम्मेलन सरीखा है।अपनी शुरूआत से ही मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में 5,500 खरीदार, 2000 से अधिक विक्रेता और लगभग 1000 प्रोजेक्ट वेव्स पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। दीर्घकाल में यह पोर्टल उद्योग के लिए एक व्यापक कंटेंट मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग हब के रूप में विकसित हो सकता है, जिसमें एआई-संचालित प्रोफाइलिंग और मैचमेकिंग टूल शामिल हैं।

आज का विचार

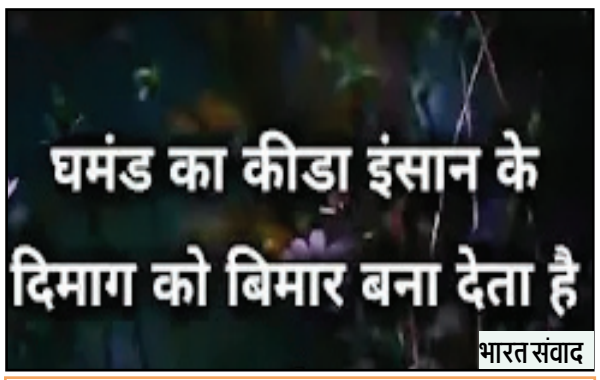

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि के जातक कल धार्मिक कार्यों में सहभागी बनेंगे. आपको कल कार्यक्षेत्र के साथ घरेलू व्यवस्था को बनाए रखने के लिए काफी परिश्रम करना होगा. दोपहर तक पैसा कमाने की चाहत में आप काफी व्यस्त और उलझन में रहेंगे.

वृषभ राशि: कुछरोचक घटनाएं होंगी जो आपको आनंदित करेंगे. सितारे यह भी कहते हें कि कल दिन का पहला भाग आपके लिए लाभ और नई संभावनाओं लेकर आएगा. ऐसे में आपको कल काम के प्रति गंभीर रहना होगा. किसी परिचित से अनपेक्षित समाचार मिलेगा जिससे हैरान भी होंगे और सोच विचार में भी उलझेंगे.

मिथुन राशि: दिन के पहले भाग में लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे. लेकिन अगर आप उलझन और मानसिक दुविधा से निकलने की कोशिश नहीं करेंगे तो अवसर का पूरा लाभ नहीं ले पाएंगे. सितारे कल इस स्थिति में हैं कि कल आप अपने कार्य व्यवसाय में प्रगति से आनंदित होंगे. दोपहर के बाद का समय कुछरिलैक्स वाला रहेगा. जल्दबाजी में लिया गया कोई भी गलत निर्णय बाद में पछतावे का कारण बन सकता है

कर्क राशि: प्रारंभिक भाग असमंजस के कारण प्रभावित होगा और आपके काम की गति धीमी रहेगी. आप जो करना चाहते हैं, माहौल उसके विपरीत महसूस होगा, लेकिन धैर्य रखें दोपहर के बाद से समस्या से राहत पाएंगे, स्थिति कुछ अनुकूल होने लगेगा. धन का प्रवाह कल सामान्य रहेगा. यदि आप व्यावहारिकता बनाए रखेंगे तो आपको किसी खास व्यक्ति से महत्वपूर्ण सहयोग मिल सकता है

सिंह राशि: दोपहर तक धैर्य और शांति से काम लेने की जरूरत है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. व्यावसायिक कारणों से कल मानसिक बेचैनी रहेगी. घरेलू उलझनों के कारण आपको अधिक दबाव में काम करना पड़ेगा.

कन्या राशि: कन्या राशि के लिए कल का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा. दिन के पहले भाग में कल जो भी मेहनत करेंगे, उसका लाभ आपको आने वाले दिनों में मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आपको कल बेहद संयम और सतर्कता के साथ चलना होगा नहीं तो आपकी छोटी सी गलती आपके लिए परेशानी का सबब बन जाएगी.

तुला राशि: आप काम के प्रति उदासीनता दिखाएंगे लेकिन भाग्य आपको सही मौके पर सही निर्णय लेने में मदद करेगी जिससे आपको अपेक्षा से बढ़कर लाभ मिलेगा. कल आप वास्तविकता को छोड़कर काल्पनिक दुनिया में भी खोए रहेंगे जिससे आपकी रचनात्मक क्षमता का विकास होगा. कला क्षेत्र से जुडे.जातक कल कुछ बढिया प्रदर्शन कर सकते हैं.

वृश्चिक राशि: दिन लाभप्रद है. लेकिन आपके लिए सलाह है कि आप वाणी पर कल संयम रखें और व्यवहारिकता से काम लें. महत्वपूर्ण कार्यों को दोपहर से पहले पूरा करने का प्रयास करें. सरकारी क्षेत्र के काम कल बन सकते हैं, प्रास करें.

धनु राशि: दिन के मध्य तक आप कोई भी महत्वपूर्ण आर्थिक फैसला नहीं ले, नुकसान हो सकता है. कल आपका दैनिक जीवन अधिक अस्त-व्यस्त रहेगा, मन में नकारात्मक भावनाएं आएंगी और आप काम के प्रति लापरवाह भी रहेंगे. परिवार के सदस्य या सहकर्मी आपको सही सलाह देंगे लेकिन मतिभ्रम के कारण वे आपको गलत लगेगा जिससे नुकसान होगा. कल दोपहर से स्थिति में सुधार होना शुरू हो जाएगा, फिर भी पैसों से जुड़े काम को कल टाल देना ही बेहतर रहेगा.

मकर राशि: धन संबंधी कार्यों को छोड़कर अन्य सभी कार्यों में सम्मान के पात्र बनेंगे. दिन की शुरूआत से लेकर अंत तक आर्थिक परेशानियां किसी रूप में आपको परेशान करती रहेंगी. समय पर काम पूरा करने के बाद भी आपको अपेक्षित सफलता नहीं मिलने का अहसास हो सकता है. किसी बुजुर्ग व्यक्ति का सहयोग मिलने से कुछ उलझनों से राहत मिलेगी. दोपहर के बाद आपको सामाजिक कार्यों के लिए समय निकालना होगा और न चाहते हुए भी परिवार या रिश्तेदारों के साथ समय बिताना होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

आतंकवाद से लड़ाई की सच्चाई, तहव्वुर हुसैन राणा का भारत में प्रत्यर्पण

पाकिस्तानी आतंकियों ने अपने हाथ में कलावा बांधा था। पूरा षड्यंत्र हिंदू आतंकियों का कारनामा साबित करने का था। चूंकि देश में एक इकोसिस्टम ने भगवा आतंकवाद की मायावी धारा पैदा कर दी थी इसलिए इसकी एक परिणति 26/11-आरएसएस की साजिश नामक पुस्तक के रूप में सामने आई। इस पुस्तक के विमोचन में दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के अन्य नेता शामिल थे।

अमेरिका से आतंकी तहव्वुर हुसैन राणा का भारत में प्रत्यर्पण आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि उसके भारत पहुंचने के पहले ही पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि उसे भारत लाने का श्रेय मोदी सरकार को देना गलत है, क्योंकि मनमोहन सरकार ने जो प्रयास किए, यह उसी का प्रतिफल है और यह देश की सफलता है। नि:संदेह राणा का प्रत्यर्पण भारत की कूटनीतिक धाक और अमेरिका से सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों में गहरे हो चुके संबंधों को प्रमाणित करता है, लेकिन क्या इसका श्रेय मनमोहन सरकार को मिलना चाहिए और मोदी सरकार को नहीं? 26 नवंबर, 2008 को मुंबई पर हुआ आतंकी हमला हमारे सुरक्षा तंत्र की विफलता का शर्मनाक प्रमाण था। 26 नवंबर से 28 नवंबर तक ताज होटल को आतंकियों से मुक्त कराने तक देश सांस थामे हुए था। यह नहीं कह सकते कि संप्रग सरकार ने मुंबई हमले के दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा करने का प्रयास नहीं किया। दिसंबर 2011 में एनआइए ने आरोप पत्र में डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के साथ तहव्वुर राणा एवं अन्य छह को आतंकी हमले की योजना बनाने और अंजाम देने का आरोपी बनाया। आरोप पत्र के अनुसार राणा लश्कर और हरकत उल जिहाद उल इस्लामी के एक आपरेटिव के रूप में हमले के षड्यंत्र का हिस्सा बना था। 2009 में संप्रग सरकार ने कूटनीतिक माध्यम से राणा के प्रत्यर्पण की मांग की, किंतु शिकागो के संघीय न्यायालय ने 2011 में उसे लश्कर की मदद का तो दोषी ठहराया, लेकिन मुंबई हमलों के आरोपों से बरी कर दिया। आतंकवाद पर मनमोहन और मोदी सरकार का अप्रोच, व्यवहार और प्रखरता में कोई भी जमीन-आसमान का अंतर देख सकता है। मोदी सरकार ने पूरे मामले पर नए सिरे से काम किया। एनआइए की टीम पुनर्गठित की गई, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, विधि मंत्रालय, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कार्यालय आदि सबके बीच समन्वय के साथ अभियान चला। जुलाई 2019 में संशोधन कर एनआइए को विदेश में भारतीयों और भारतीय ठिकानों पर हमले के विरुद्ध छानबीन की कानूनी शक्ति दी गई। भारत के प्रयासों के चलते 2020 में राणा को डिटेंशन सेंटर में रखा गया। 2021 में भारत ने आधिकारिक तौर पर प्रत्यर्पण की मांग का अमेरिकी न्याय विभाग को नोट भेजा और अमेरिकी प्रशासन से बातचीत की। इसी का परिणाम था कि जो बाइडन सरकार ने इसका समर्थन किया। राणा को भारत लाने की कानूनी लड़ाई में पहली सफलता तब मिली, जब कैलिफोर्निया न्यायालय ने उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया। 2023 में भारत अमेरिका के बीच ऐसे मामलों में सूचना साझा करने का समझौता हुआ, जिसके तहत सारी जानकारी वहां पहुंची। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के साथ पत्रकार वार्ता में इसकी घोषणा की। राणा को भारत लाने के लिए मोदी सरकार ने लक्ष्य बनाकर हर स्तर पर काम किया, जबकि धारणा यह थी कि हेडली और राणा को अमेरिका प्रत्यर्पित नहीं करेगा। इस सोच से भी प्रत्यर्पण के प्रयास प्रभावित रहे। यह दुखद सच है कि जिहादी आतंकवाद पर मनमोहन सरकार की नीति भारत में सेक्युलरवाद और मुस्लिम वोट की राजनीति से प्रभावित रही। इसी कारण सत्ता में आते ही आतंकवाद निरोधक कानून पोटा को निरस्त किया गया। उलटे भगवा आतंकवाद का शर्मनाक जुमला उछाला गया। इससे वास्तविक आतंकवाद का खतरा नेपथ्य में चला गया। इसे भी अनदेखा न किया जाए कि गांधीनगर में मारी गई लश्कर सदस्य इशरत जहां को निर्दोष साबित करने और उसकी मौत के लिए तब गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेन्द्र मोदी और गृह राज्यमंत्री अमित शाह को दोषी ठहराने की पूरी कोशिश हुई, जिसमें आइबी-सीबीआइ के बीच टकराव हुआ। यह सही है कि मुंबई हमले के बाद मनमोहन सरकार थोड़ी संभली। एनआइए का गठन हुआ, इंटेलिजेंस ग्रिड बनी, गैर-कानूनी गतिविधियां निरोधक अधिनियम में संशोधन किया गया, किंतु दुर्भाग्य से एनआइए भी काल्पनिक भगवा आतंकवाद में उलझी रही। मुंबई के पुलिस आयुक्त रहे राकेश मारिया ने अपनी पुस्तक-लेट मी से इट नाऊ में लिखा है कि यदि अजमल कसाब जिंदा नहीं पकड़ा जाता तो मुंबई हमले को हिंदुओं का काम बता दिया जाता। पाकिस्तानी आतंकियों ने अपने हाथ में कलावा बांधा था। पूरा षड्यंत्र हिंदू आतंकियों का कारनामा साबित करने का था। चूंकि देश में एक इकोसिस्टम ने भगवा आतंकवाद की मायावी धारा पैदा कर दी थी इसलिए इसकी एक परिणति 26/11-आरएसएस की साजिश नामक पुस्तक के रूप में सामने आई। इस पुस्तक के विमोचन में दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के अन्य नेता शामिल थे। अगर मनमोहन सरकार और उसकी एजेंसियों का फोकस इस विकृत तरीके से नहीं बदला होता तो भारत आतंकवाद से संघर्ष में सक्षम रहता और वैश्विक कूटनीति के माध्यम से राणा का प्रत्यर्पण पहले भी हो सकता था। जब फोकस हिंदू आतंकवाद रहा हो और संघ को आतंकी साबित करने में सुरक्षा एजेंसियों को लगाया गया हो तब किसी वांछित आतंकी को अमेरिका से लाने योग्य सुबूत और तर्क प्रस्तुत करना कठिन रहा होगा। अच्छा होता चिदंबरम और उस समय सरकार एवं पार्टी के उनके साथी इस विषय पर भी कुछ बात करते।

स्मार्टफोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में युवाओं का किताबों के प्रति बढ़ रहा रुझान

विजय गर्ग

पुस्तकें हमारे मार्गदर्शक, एक मित्र, एक गुरु के रूप में हमें ज्ञान प्रदान करती हैं एवं हर कार्य में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती हैं। सदियों से पुस्तकें ज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्रोत रही हैं। एक करोड़ से ज्यादा पांडुलिपियां भारत की ज्ञान-परंपरा को बहुत ही सुदृढ़ रूप में हमें अपने स्वर्णिम काल से जोड़ती हैं। ये पांडुलिपियां सिर्फ हमारे धर्म और संस्कारों के विषय में ही नहीं, अपितु गणित, विज्ञान, ज्योतिष, आयुर्वेद, खगोलविज्ञान और वास्तुशास्त्र के विषय में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती हैं और हमें उस समय की ज्ञान-परंपराओं, संस्कारों, कला एवं संस्कृति की भी सही जानकारी प्रदान करती हैं।

सोचिए, अगर महर्षि वाल्मीकि ने रामायण नहीं लिखी होती और उसे पढ़कर तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस की रचना नहीं की होती तो क्या हम मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम को जान पाते। क्या रामायण के विभिन्न भाषाओं में करीब 331 संस्करण तैयार हो पाते। आज पुस्तकें मुद्रित एवं ई-पुस्तक दोनों रूपों में उपलब्ध हैं। विभिन्न व्यक्तियों के ब्लाग, यूट्यूब चैनल तथा अन्य इंटरनेट माध्यमों से भी ज्ञान मिलता है, लेकिन मुद्रित पुस्तकों का अपना अलग ही महत्व है। एक समय था जब पाठकों को पुस्तकालयों की अत्यंत आवश्यकता थी, मगर अब पुस्तकालयों के साथ-साथ पाठकों के पास ज्ञान के और भी स्रोत हैं, लेकिन पुस्तकों का महत्व भूतकाल में भी था, वर्तमानकाल में भी है और भविष्य में भी रहेगा, क्योंकि पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं है। उनका रूप बदल सकता है, वो आडियो या ईबुक के रूप में हो सकती हैं।सूचना वैज्ञानिक एफ. डब्ल्यू. लैनचेस्टर ने 1980 में एक भविष्यवाणी की थी कि

20वीं शताब्दी के अंत तक पूरी तरह से हम कागज रहित हो जाएंगे, लेकिन तब से लेकर अब तक भी कागज का उपयोग बढ़ा है, घटा नहीं है। ये बात सही है कि हम डिजिटल युग की ओर बहुत तेजी के साथ बढ़ रहे हैं, किंतु मुद्रित पुस्तकों का उपयोग आज भी महत्वपूर्ण है। विषय सामग्री चाहे ईबुक के रूप में ही क्यों न हो, लेकिन आज भी ज्यादातर व्यक्ति उसका प्रिंट निकालकर पढ़ना ही पसंद करते हैं।

भीड़ बता रही भविष्य

एक विचार जो सभी के मस्तिष्क में बैठ गया है कि सब कुछ इंटरनेट पर उपलब्ध है, उसे हमें बदलना होगा। यह सत्य है कि इंटरनेट पर बहुत सारी ज्ञानवर्धक जानकारी है। साथ ही साथ इंटरनेट पर मिथ्या, अप्रमाणित, पक्षपाती एवं गलत ज्ञान का भी भंडार है। इस तरह के ज्ञान के उपयोग से सबसे बड़ा नुकसान यह है कि हमारी शिक्षा एवं अनुसंधान गलत दिशा में जा सकता है। विश्व पुस्तक मेला जो हर वर्ष प्रगति मैदान (भारत मंडपम्) में आयोजित किया जाता है, यहां अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों तथा पुस्तकप्रेमियों की संख्या में युवाओं की भीड़ उम्मीद दशार्ती है कि मुद्रित पुस्तकों के प्रति रुझान कम नहीं हुआ है।सही मायने में पुस्तकें समाज का दर्पण होती हैं। यदि हमें किसी देश के समाज, कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति तथा अन्य किसी भी विषय के बारे में जानना हो तो पुस्तकों से महत्वपूर्ण कोई भी स्रोत नहीं हो सकता। एक पुस्तक लिखने के लिए लेखक बहुत सारे संदर्भों का अध्ययन करता है और उन संदर्भों अर्थात पुस्तकों, पत्रिकाओं इत्यादि को पढ़कर उनमें उपलब्ध ज्ञान को संग्रहीत कर नूतन ज्ञान का उदाहरण प्रस्तुत करता है। आने वाले समय में इस ज्ञान का देश के लिए, समाज तथा विश्व के लिए क्या महत्व है, ये सब ज्ञान हमें पुस्तकें ही प्रदान करती हैं।

यह भी पढ़ें- करियर ही नहीं, सेहत को भी चमकाती है किताब पढ़ने की आदत, मिलते हैं ये 4 बेमिसाल फायदे

बदलना होगा पढ़ाने का तरीका

यूं तो हम ईबुक में गुम नई पीढ़ी पर दोषारोपण करते हैं कि वो किताबों के प्रति उनसे पहले की पीढ़ी से अधिक उदासीन हैं, किंतु इसके लिए कहीं-ना-कहीं हमारी शिक्षा व्यवस्था एवं अध्यापक भी जिम्मेदार हैं। हमारे अध्यापक उतना समय नहीं देते, जितना उनको देना चाहिए। उनको शिक्षा प्रणाली में केस आधारित, स्टोरी टेलिंग तथा प्रोजेक्ट आधारित इत्यादि ज्यादा से ज्यादा पुस्तकों का इस्तेमाल करना चाहिए।

हम सब जानते हैं कि दादा-दादी, नाना-नानी की कहानियां, जो उन्होंने हमें बचपन में सुनाई थीं वे आज भी हमें याद हैं। हमें अपनी पूरी शिक्षा-प्रणाली को रोचक बनाना होगा चाहे कथा सुनाना हो, पुस्तक प्रतियोगिता या क्विज कांटेस्ट के माध्यम से, किसी-ना-किसी रूप में युवाओं को पुस्तकों से जोड़ना होगा। पुस्तकों के विषय में युवाओं में उत्सुकता पैदा करनी होगी। अध्ययन की आदतों को बढ़ाना होगा।

ऐसे सुधरेगी स्थिति

गत वर्षों में भारत सरकार की संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित क्षेत्रीय पुस्तक मेले तथा साहित्यिक मेलों में कुछ उत्साहवर्धक वृद्धि देखने को मिली है। यह एक शुभ संकेत है। इस दिशा में नई शिक्षा प्रणाली 2020 में कुछ अच्छे प्रयास किए गए हैं, लेकिन उनकी सार्थकता को सारगर्भित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रयास होगा कि पुस्तकालयों की स्थिति को अच्छा बनाएं। प्रौद्योगिकी और कुछ रणनीतियों का लाभ उठाकर, हम युवाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया एवं पढ़ने की रुचि को और तेज कर सकते हैं। इसके लिए निश्शुल्क पठन सामग्री उपलब्ध करा रहीं नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी आफ इंडिया तथा अन्य डिजिटल रिपाजिटरी, अभिलेखागार प्रोजेक्ट, गुटेनबर्ग जैसे प्लेटफार्म को प्रोत्साहित करना होगा। स्कूलों और कालेजों में बुक क्लब, कहानी सुनाने के सत्र और वाद विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। पढ़ने की आदत बढ़ाने के लिए गेमिफिकेशन तकनीकों, जैसे कि रिवार्ड आधारित रीडिंग ऐप का उपयोग करें।

प्रकृति का श्रृंगार परिवर्तन और सत्य मानवीय जीवन की ऊर्जा

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है किसत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित ऊर्जा और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवंसर्वकालीन है। यह तो सत्य है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम, सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित सत्यमेव जयते आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है।

मुंबई हमलों का मेन मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा, हेडली और इशरत जहां से था कनेक्शन

- तहव्वुर राणा 26/11 हमले का मास्टरमाइंड, आतंकी संगठनों के लिए किया काम
- राणा और हेडली की दोस्ती ने सनसनीखेज वारादात को दिया अंजाम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को आखिरकार भारत लाया जा चुका है। उस वक्त महाराष्ट्र पुलिस में आईजी सिक्योरिटी के पद पर रहे रिटायर्ड एडीजी पीके जैन ने तहव्वुर हुसैन राणा से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पीके जैन के मुताबिक, तहव्वुर राणा 26/11 हमले का मास्टरमाइंड था। हमले को अंजाम देने के लिए उसने न केवल हेडली को सपोर्ट किया, बल्कि मुंबई में बाकायदा एक ऑफिस भी खोला।तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर की रैंक पर रह चुका था, जिसका फायदा उठाकर वह ड्रग्स की तस्करी करता था। अमेरिका में गिरफ्तार होने के बाद राणा को 2009 में 26/11 केस में अरेस्ट किया गया, लेकिन अमेरिकी सरकार ने उसे भारत को सौंपने से मना कर दिया था।हेडली और तहव्वुर थे स्कूल फ्रेंडभारत सरकार ने 2019 में पहली बार अमेरिका को राणा के प्रत्यर्पण के लिए औपचारिक निवेदन भेजा था और लंबे फॉलोअप के बाद 2025 में राणा को भारत लाया गया है। पीके जैन ने बताया कि तहव्वुर राणा और डेविड हेडली की दोस्ती स्कूल के दिनों से थी। राणा ने हेडली की हर तरह से मदद की। मुंबई में ऑफिस खोलने से लेकर फंडिंग और सुरक्षा तक राणा ने हैंडल किया।

महाराष्ट्र में बीजेपी का 'ऑपरेशन लोटस', एक साथ उद्धव ठाकरे-शरद पवार को दिया तगड़ा झटका, कांग्रेस को भी नहीं बख्शा

महाराष्ट्र में मुंबई के बीएमसी और राज्य में स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले बीजेपी ने भर्ती अभियान शुरू कर दिया। मंगलवार को महाराष्ट्र के दो पूर्व विधायकों ने बीजेपी दामन थामा। इसके साथ कई अन्य नेता भी बीजेपी में शामिल हुए। बीजेपी ने उद्धव ठाकरे और शरद पवार को बड़ा झटका दिया।

- महाराष्ट्र में बीजेपी ने की बड़ी सेंधमारी
- एक साथ एमवीए के घटकों पर स्ट्राइक
- दो पूर्व विधायक बीजेपी के पाले में आए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: महाराष्ट्र में महाजीत हासिल करने के बाद बीजेपी अब खुद को और मजबूत करने में जुट गई है। मंगलवार को महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और बीजेपी चीफ चंद्रशेखर बावनकुले और कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की मौजूदगी में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की एनसीपी के कई नेता बीजेपी में शामिल हुए। इस मौके पर बावनकुले ने कहा कि भाजपा में शामिल हो रहे नए सदस्यों के कारण भाजपा सदस्यों की संख्या में 50 लाख की और वृद्धि होगी।

उद्धव-शरद पवार को झटका

शिवसेना यूबीटी नेता और कागल से विधायक रहे संजय घाटगे, राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के शाहपुर के पूर्व विधायक पांडुरंग बरोरा बीजेपी में शामिल हुए। इन दोनों नेताओं के उद्धव ठाकरे और शरद पवार का साथ छोड़ने से झटका लगा है। बीजेपी ने भर्ती अभियान ऐसे वक्त पर शुरू किया जब राज्य में अगले कुछ महीनों में स्थानीय निकाय के चुनावों के लिए बिगुल बजेगा। इन दो अहम नेताओं के अलावा मालेगांव से वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रसाद बलिराम हीरे और श्रीरामपुर के पूर्व मेयर संजय फुंद भाजपा प्रदेश कार्यालय में शामिल हुए।

बावनकुले ने भरी हुंकार

बावनकुले ने इस मौके पर हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि कागल और शहापुर के पूर्व विधायकों के आने से पार्टी को कोल्हापुर और ठाणे जिलों में मजबूती मिलेगी। महान राजनीतिक विरासत वाले प्रसाद बलिराम हिरे और हजारों कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने से नासिक जिले में पार्टी संगठन और मजबूत होगा। स्वर्गीय बलिराम हिरय, जिन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री के पदों को कुशलतापूर्वक संभाला और लंबे समय तक विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व किया। हमारे मन में उनके लिए अत्यधिक सम्मान है। हमें खुशी है कि उनके बेटे और परिवार के अन्य सदस्य भाजपा में शामिल हो गए हैं। बावनकुले ने कहा कि वह शहर के विकास के लिए भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के लिए निष्ठापूर्वक काम करके हम पूरे नासिक जिले में भाजपा का झंडा फहराएंगे।

फास्ट ट्रैक

उद्धव सेना के संगठन में होंगे बदलाव, आदित्य ठाकरे के वफादारों को मौका

- आदित्य ठाकरे की नेतृत्व में पार्टी में बदलाव की तैयारी
- उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव पर ध्यान केंद्रित किया
- पार्टी के अंदर कलह बढ़ी, पूर्व सांसद ने दानवे पर आरोप लगाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: उद्धव की शिवसेना में आदित्य ठाकरे की पकड़ मजबूत बनाने के लिए संगठन में बड़े पैमाने पर बदलाव की संभावना है। इससे वरिष्ठ पदाधिकारियों पर खतरे की तलवार लटक रही है। दूसरी ओर, पार्टी के अंदर कलह और बढ़ गई है। औरंगाबाद में पार्टी के पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे और विधान परिषद में प्रतिपक्ष नेता अंबादास दानवे के बीच विवाद और गहरा गया है, जिनके बीच सुलह कराने में ठाकरे परिवार अब तक असफल रहा है। मुंबई सहित राज्य के अन्य हिस्सों से लोग एक-एक कर उद्धव सेना छोड़ते जा रहे हैं। मुंबई में उद्धव सेना के आधे से ज्यादा पूर्व नगरसेवकों ने पार्टी छोड़ दी है, और ऐसे लोगों की लंबी कतार है, जो उद्धव सेना को छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं।दरअसल, ठाकरे परिवार चाहता है कि पार्टी की ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी आदित्य ठाकरे पर डाली जाए, पर इसके लिए पहले आदित्य की पार्टी पर पकड़ मजबूत बनानी होगी। उसके लिए संगठन में पहले बदलाव करने होंगे।आदित्य ठाकरे के वफादार को मिलेगा मौका !आदित्य के करीबी एक नेता का कहना है कि संगठन में शाखा प्रमुख, विभाग प्रमुख जैसे अन्य प्रमुख पदों पर नए व युवा चेहरों को लाया जाएगा, जो आदित्य ठाकरे का वफादार होगा या फिर आदित्य के पसंद का होगा। ठाकरे परिवार चाहता है कि आगामी मुंबई महानगरपालिका का चुनाव आदित्य ठाकरे के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। लालबाग के राजा मंडल के सचिव सुधीर सालवी को सीधे पार्टी का सचिव बना दिया गया।संकट का सामना करेंगे: उद्धव ठाकरेउद्धव ठाकरे कहते हैं कि अब हमारा ध्यान मुंबई महानगरपालिका पर है। मुंबई के लालबाग, परल और वरली जैसे इलाकों में हमारे कट्टर शिवसैनिक हैं। हम सब एकजुट हैं और खुश हैं। जो संकट हमें और हमारे ऊपर आ रहा है, वह सिर्फ शिवसेना पर नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, मुंबई और मराठी अस्मिता पर है। इसे हम एकजुट होकर समाप्त करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि आम आदमी हमारे साथ है।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर 15 अप्रैल 2025 को डीआरएम कार्यालय, सोलापुर में एक भव्य स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत और अपार योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत मंडल रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा और अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अंशुमाली कुमार द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। सम्मान और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में सामूहिक बुद्ध वंदना की गई। मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के प्रतिनिधियों ने डॉ. अंबेडकर की प्रेरक जीवन यात्रा, समानता के लिए उनके अथक संघर्ष और भारतीय समाज पर उनके कार्यों के गहन प्रभाव के बारे में जानकारी साझा की। अपने संबोधन में डीआरएम डॉ. सुजीत मिश्रा ने डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण की स्थायी प्रासंगिकता और न्यायपूर्ण और समतावादी समाज बनाने की दिशा में उनके अथक प्रयासों के बारे में बात की।

समारोह के एक भाग के रूप में, 11 अप्रैल 2025 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर: भारत में सामाजिक न्याय के वास्तुकार विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता के निम्नलिखित विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रशस्ति प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार श्रीमती रजनी एल. येमुल, सहायक (सी एंड डब्ल्यू)

द्वितीय पुरस्कार सुश्री नैनल पी. डोंगरे, सहायक (सी एंड डब्ल्यू)

तृतीय पुरस्कार श्री देवेंद्र सिंह राजपूत, पॉइंट्समैन 'बी'

इस कार्यक्रम में सभी शाखा अधिकारियों, कर्मचारियों और मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वयन कार्मिक विभाग की मुख्य कल्याण निरीक्षक श्रीमती शिल्पा ढेपले ने किया।

सोलापुर मंडल डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन और विरासत का स्मरण करने में गर्व महसूस करता है और समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए वह खड़े थे।

नागपुर में रेस्तरां के मालिक की गोली मारकर हत्या, देर रात कैफे में पहुंचे हमलावरों ने बरसाईं अनगिनत गोलियां

- नागपुर में रेस्टोरेंट मालिक की गोली मारकर हत्या हुई।
- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने और जांच शुरू की
- इलाके में सुरक्षा को लेकर लोगों में दहशत का माहौल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर शहर में 28 वर्षीय रेस्टोरेंट मालिक की सोमवार को देर रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह वारदात अमरबजारी थाना क्षेत्र में स्थित एक कैफे के पास देर रात करीब 1.20 से 1.30 बजे के बीच हुई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अविनाश राजू भुसारी के रूप में हुई है, जो सोशा रेस्टोरेंट का मालिक था। वह अपने रेस्टोरेंट के मैनेजर के साथ कैफे के सामने बैठकर आइसक्रीम खा रहा था, तभी चार अज्ञात लोग एक बाइक और एक मोपेड (वाहन) से वहां पहुंचे। इनमें से एक व्यक्ति ने अविनाश पर चार गोलियां चलाईं और फिर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। अविनाश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

अंबाझरी पुलिस स्टेशन में राजू भुसारी नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है। राजू भुसारी मृतक अविनाश के पिता हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आस-पास के सीसीटीवी फुटेज देख रही है। इलाके की नाकेबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

इलाके में दहशत

बड़े पुलिस अफसर और फोरेंसिक एक्सपर्ट घटना वाली जगह पर गए। उन्होंने जरूरी सबूत इकट्ठे किए हैं। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग रात में सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं पुलिस को संदेह है कि मामला आपसी रंजिश का हो सकता है।

ओडिशा से महाराष्ट्र वाया श्रीलंका, कछुए की 3500 किमी यात्रा से हैरान वैज्ञानिक, बदल गई पूरी थ्योरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : यह कहानी एक कछुए की है जिसने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। इस कछुए ने 3500 किमी की यात्रा करके यह साबित कर दिया कि कछुए पहले जितना सोचा जाता था, उससे कहीं ज्यादा घूमते हैं। पहले, वैज्ञानिक सोचते थे कि पूर्वी और पश्चिमी तटों पर घोंसला बनाने वाले कछुए अलग-अलग होते हैं और उनके बीच कोई संबंध नहीं होता है। लेकिन इस कछुए की

पश्चिम रेलवे पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे पर चर्चगेट, मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती से मनाई गई। इस स्मृति समारोह का आयोजन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र के नेतृत्व में किया गया जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, मान्यताप्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि, एससी/एसटी और ओबीसी एसोसिएशन के सदस्य तथा रेल कर्मचारी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों और इकाइयों ने भी इस दिवस को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया।श्रद्धांजलि देने हेतु महाप्रबंधक श्री मिश्र ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और मेमोरियल कैन्डल जलाई। अपने संबोधन में श्री मिश्र ने भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को याद किया। उन्होंने वंचित समुदायों के उत्थान में डॉ. अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका और भारतीय समाज और राष्ट्र निर्माण की उन्नति में उनकी स्थायी विरासत पर भी प्रकाश डाला।

लव अफेयर में बनाए फिजिकल रिलेशन क्राइम नहीं, आरोपी को बेल

- 21 वर्षीय आरोपी को पोस्को अदालत ने दी जमानत
- अदालत ने कहा, दोनों के संबंध सहमति से थे
- लड़की के पिता ने की थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे में विशेष पोस्को अदालत ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने एक 21 साल के आदमी को जमानत दे दी है। उस आदमी पर आरोप था कि उसने एक 15 साल की लड़की का अपहरण किया और उसके साथ यौन संबंध बनाए। अदालत ने कहा कि ऐसा लगता है कि लड़की और लड़के के बीच सहमति से संबंध थे। जज ने यह भी कहा कि लड़की इस काम के परिणामों को समझने के लिए काफी समझदार थी। आरोपी पर इठर और पोस्को एक्ट के तहत आरोप लगे थे।विशेष न्यायाधीश डीएस देशमुख ने कहा कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। लेकिन, आदमी और लड़की के बीच प्रेम संबंध होने के सबूत भी हैं। कोर्ट ने दोनों के लव अफेयर में हुए सहमति के संबंध को रेप नहीं माना।

घर से लापता हुई थी लड़की

सरकारी वकील के अनुसार, लड़की के पिता ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को लड़की, भिवंडी के वाडा इलाके में उस आदमी के साथ मिली। लड़की ने पुलिस को बताया कि वह और लड़का रिश्ते में थे। उसने यह भी कहा कि 25 से 28 दिसंबर, 2024 के बीच उन्होंने शारीरिक संबंध बनाए थे।

जमानत देते हुए कोर्ट ने क्या कहा

ठाणे अदालत ने कहा कि आदमी को जेल में रखने से कोई फायदा नहीं होगा। क्योंकि, जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया गया है। जज ने आदमी को जमानत देते हुए कई पुराने फैसलों और दूसरे मामलों का हवाला दिया। अदालत ने इस मामले में राहत देते हुए कुछ शर्तों का भी पालन करने को कहा है।

यूटीएस ऑन मोबाइल टिकटिंग से मार्च माह में 1 लाख 22 हजार से अधिक रेल टिकट बुक

01 करोड़ 31 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर 15 अप्रैल। रेलवे में यात्रियों की सुविधा हेतु यूटीएस मोबाइल एप्प से ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बनाई जा रही है। इसके लिए प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में पश्चिम मध्य रेल में तीनों मण्डलों के वाणिज्य विभाग द्वारा जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप माह मार्च 2025 में यूटीएस एप्प से बुक कुल 01 लाख 22 हजार 685 टिकटों से 6 लाख 56 हजार 515 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 01 करोड़ 31 लाख 03 हजार 575 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। पश्चिम मध्य रेल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन जनरल टिकट के लिए यूटीएस मोबाइल एप्प की सुविधा दी जा रही है। यात्रियों के बीच इस एप्प की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ अनारक्षित टिकट लेने के आंकड़ों में भी काफी वृद्धि हुई है। इस एप्प के माध्यम से माह मार्च 2024 में मण्डल वाइस जानकारी इस प्रकार है। जबलपुर मंडल :- यूटीएस मोबाइल एप्प के द्वारा कुल 35,170 बुक टिकट से 02 लाख 93 हजार 702 यात्रियों ने यात्रा की जिससे रेलवे को 43 लाख 37 हजार 690 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

भोपाल मंडल :- यूटीएस मोबाइल एप्प के द्वारा कुल 40,033 बुक टिकट से 02 लाख 06 हजार 607 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 46 लाख 27 हजार 255 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

कोटा मंडल :- यूटीएस मोबाइल एप्प के द्वारा कुल 47,400 बुक टिकट से 01 लाख 55 हजार 852 यात्रियों ने यात्रा की, जिससे रेलवे को 41 लाख 32 हजार 630 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

रेलवे ने एप से टिकट बुक करने सम्बंधित अधिक जानकारी वेबसाइट www.utsonmobile.indianrail.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

रेल प्रशासन ने अनारक्षित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे मोबाइल टिकटिंग एप्प पर यूटीएस के उपयोग को बढ़ावा दें और उपयोग से जुड़े हितों का लाभ उठाएं।

भुसावल मंडल द्वारा पंचवटी एक्सप्रेस में देश की पहली ऑनबोर्ड एटीएम सेवा के परीक्षण प्रारंभ यात्री सुविधा व नवाचारपूर्ण गैर-किराया राजस्व की दिशा में अग्रणी कदम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेलवे का भुसावल मंडल यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने एवं गैर-किराया राजस्व (Non-Fare Revenue) के नवाचारी साधनों की खोज में एक अनूठी पहल करते हुए नए मानदंड स्थापित कर रहा है। रेलयात्रा के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, भुसावल मंडल द्वारा चलती ट्रेन में देश की पहली ऑनबोर्ड एटीएम सेवा प्रारंभ करने के लिए परीक्षण किया जा रहा है, जिसमें महाराष्ट्र बैंक का समन्वय प्राप्त है।इस विचार की शुरूआत भुसावल मंडल द्वारा आयोजित एक अभिनव गैर-किराया राजस्व ग्राहक संवाद बैठक में की गई थी। इस दूरदर्शी प्रस्ताव के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, प्रमुख राष्ट्रीयकृत बैंक बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने नई, नवाचारी गैर-किराया राजस्व विचार योजना (NINFRIS) के अंतर्गत औपचारिक योजना प्रस्तुत की ट्रेन क्रमांक 12110 मनमाड मुंबई सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस में इस सेवा की व्यवहार्यता और संचालन कुशलता को परखने हेतु परीक्षण जारी है। यह ट्रेन प्रतिदिन मनमाड से मुंबई सीएसएमटी के बीच चलती है और इसमें कुल 22 कोच हैं। इसकी कुल बैठने की क्षमता 2,032 कुल यात्रियों की है और प्रतिदिन लगभग 2,200 यात्री मुंबई सीएसएमटी की यात्रा करते हैं। यह एटीएम ट्रेन के एक अप्रयुक्त डिब्बे में स्थापित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों की बैठने की व्यवस्था या अन्य सुविधाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। चूँकि ट्रेन पूरी तरह से वेस्टीब्यूल से जुड़ी हुई है, अतः सभी वर्गों के यात्री इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। एटीएम को एक कोच में पूर्व से अप्रयुक्त स्थान में स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों की सीटिंग व्यवस्था या अन्य सुविधाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इस पहल को भारतीय रेल के विद्युत एवं यांत्रिक विभागों के समन्वय से क्रियान्वित किया जा रहा है। सेवा लागू होने के पश्चात, यह ऑनबोर्ड एटीएम सुविधा यात्रियों को यात्रा के दौरान वित्तीय लेन-देन की सुविधा प्रदान करेगी—जो विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं तथा आकस्मिक आवश्यकताओं वाले यात्रियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। एटीएम को मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे ट्रेन गतिशील रहने पर भी लेन-देन निर्बाध रूप से किया जा सकेगा। यह पहल भारतीय रेलवे की यात्री अनुभव को सशक्त बनाने एवं पारंपरिक राजस्व मॉडल से आगे बढ़ते हुए नवाचार को अपनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भुसावल मंडल इस दिशा में नेतृत्व करते हुए अन्य प्रमुख ट्रेनों में भी इस प्रकार की सेवाएं शुरू करने की संभावनाओं का अन्वेषण कर रहा है, जिससे रेल यात्रा अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं यात्री-मुखी बन सके।

एलफिंस्टन ब्रिज बंद होने से पहले अन्य तैयारियों में जुटी मुंबई ट्रैफिक पुलिस

- एलफिंस्टन ब्रिज बंद होने की चर्चा अफवाह, ट्रैफिक पुलिस का स्पष्ट बयान
- 15 अप्रैल तक लोगों को सलाह व सुझाव भेजने का दिन तय किया गया है
- फीडबैक आने के आधार पर अंतिम निर्णय लेने की उम्मीद करते हैं: डीसीपी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: 15 अप्रैल यानी आज से एलफिंस्टन ब्रिज बंद होने की चल रही चर्चाओं को मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने विराम लगाते हुए इसे अफवाह बताया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, एलफिंस्टन ब्रिज अंतिम रूप से कब से बंद किया जाएगा, इसकी तारीख निश्चित नहीं हुई है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, लोगों की सलाह व सुझाव आने और उसका विश्लेषण करने के अलावा एलफिंस्टन ब्रिज के आसपास करी रोड ब्रिज और दादर प्लाजा ब्रिज आदि पुल पर निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ही एलफिंस्टन ब्रिज को बंद किया जा सकता है, ताकि एलफिंस्टन ब्रिज बंद होने की स्थिति में दूसरे पुलों के जरिए आवागमन सुनिश्चित किया जाए। गौरतलब है कि एमएमआरडीए द्वारा जारी इस परियोजना का उद्देश्य मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी तटों को जोड़ना है।दो-चार दिनों में अंतिम निर्णयडीसीपी प्रदन्या जेडगे ने बताया कि यह पहली बार है, जब हमने पुल बंद करने से पहले सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करते हुए मसौदा प्रकाशित किया है। 15 अप्रैल तक लोगों को अपनी सलाह व सुझाव भेजने का दिन तय किया गया है। फीडबैक आने के आधार पर हम अगले दो-चार दिनों में अंतिम निर्णय लेने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि लोग अपना सुझाव, सलाह और आपत्तियां पर दे सकते हैं। डीसीपी ने कहा कि ब्रिज बंद होने की जानकारी सार्वजनिक रूप से भी की जाएगी, ताकि सबको पता चल सके।एलफिंस्टन ब्रिज को अंतिम रूप से बंद करने से पहले उसके आसपास जो भी पुल हैं, उन पर चल रहे निर्माण व मरम्मत कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

सिग्नलिंग सामग्री की आंशिक आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य

निविदा आमंत्रण सूचना सं - DRM-SnT-ADI-Sig 02 वर्ष 2025-26 भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से कार्यरत डीआरएम/एस एंड टी, निविदा संख्या DRM-SnT-ADI-Sig 02 वर्ष 2025-26 के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 09.05.2025, 15:00 बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** अहमदाबाद डिवीजन में खोडियार महेसाणा, खोडियार - गांधीनगर - कलोल, महेसाणा - पाटन - भीलडी, महेसाणा - काटोसन रोड-देट्रोज खंड के दोषपूर्ण / अधिक पुराने मिडलाइफ सिग्नलिंग गियर की विश्वसनीयता में सुधार और प्रतिस्थापन के संबंध में सिग्नलिंग सामग्री, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग की आंशिक आपूर्ति। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹3,38,81,641.76/- (रुपये तीन करोड़ अड़तीस लाख इक्यासी हजार छह सौ इकतालीस रुपये और छिहत्तर पैसे मात्र) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹3,19,400/- (रुपये तीन लाख उन्नीस हजार चार सौ मात्र)**(4) समापन की तिथि और समय :** 09.05.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** दिनांक 09.05.2025 को 15:30 बजे खुलेगा। **(6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट :** www.ireps.gov.in 008

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य

निविदा आमंत्रण सूचना सं - DRM-SnT-ADI-Sig 18 वर्ष 2024-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से कार्यरत डीआरएम/एस एंड टी, निविदा संख्या DRM-SnT-ADI-Sig 18 वर्ष 2024-25 के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 09.05.2025, 15:00 बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल अंतिम तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, प्रोग्रामिंग, परीक्षण और कमीशनिंग के संबंध में (1) चांदलोडिया में मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रतिस्थापन और (2) अहमदाबाद डिवीजन के खोडियार और अम्बली रोड सेक्शन के बीच ट्रेनों की प्राथमिकता और क्रॉसिंग को सक्षम करने के लिए लाइन नंबर 05 के निकट लूप लाइन (सीएसआर 720 एम) के प्रावधान के लिए चांदलोडिया बी केबिन में परिवर्तन / संशोधन। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹8,24,48,083.89/- (रुपये आठ करोड़ चौबीस लाख अड़तालीस हजार त्यासी रुपये और नवासी पैसे मात्र) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹5,62,300/- (पांच लाख बासठ हजार तीन सौ रूपये मात्र) **(4) समापन की तिथि और समय :** 09.05.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** दिनांक 09.05.2025 को 15:30 बजे खुलेगा। **(6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट :** www.ireps.gov.in 006

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

महाराष्ट्र के 20 आईटीआई में बनेंगी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , महाराष्ट्र सरकार राज्य के 20 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करेगी। इस पहल का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और दिव्यांग छात्रों को सशक्त बनाना है। कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में तीन प्रमुख सामाजिक संस्थाओं के साथ समझोता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये एमओयू श्री श्री ग्रामीण विकास ट्रस्ट (बेंगलुरु), श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया फाउंडेशन (बेंगलुरु), देआसरा फाउंडेशन (पुणे) और प्रोजेक्ट मुंबई (अंधेरी) के साथ किए गए। इन समझौतों के माध्यम से युवाओं को आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण मिलेगा, सूक्ष्म व लघु उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा और दिव्यांग छात्रों के लिए समावेशी कौशल कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एमओयू समारोह मंत्रालय में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आयोजित किया गया।

मुख्य विशेषताएं:

त्रिपक्षीय समझौताः श्री श्री ट्रस्ट, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण संचालनालय के बीच समझौता, जिसके तहत युवाओं को आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रयोगशाला उन्नयनः अगले तीन वर्षों में 20 आईटीआई की विद्युत कार्यशालाएं उन्नत की जाएंगी और सोलर तकनीशियन व इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन लैब स्थापित होंगी।

निःशुल्क प्रशिक्षणः राज्य के विद्युत शिल्प प्रशिक्षुओं को बेंगलुरु में 15 दिवसीय आधुनिक तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण मिलेगा।

प्रशिक्षण लक्ष्यः अगले चार वर्षों में 9,750 युवाओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक, अमरावती आदि क्षेत्र शामिल होंगे।

उद्यमिता विकासः महाराष्ट्र इनोवेशन सोसायटी और देआसरा फाउंडेशन के बीच समझौते के तहत 5,000 सूक्ष्म और लघु उद्यमियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलेगा।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रमः प्रोजेक्ट मुंबई संस्था के सहयोग से दिव्यांग छात्रों के लिए सांकेतिक भाषा में पाठ्यक्रम, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग की व्यवस्था होगी।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने में पंजीकृत चिकित्सकों की भागीदारी जरूरी : देवेंद्र फडणवीस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , ग्रामीण महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पंजीकृत चिकित्सकों से स्वेच्छा से भागीदारी करने का आह्वान किया है। उन्होंने महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल को निर्देश दिए हैं कि सतत चिकित्सा शिक्षा (CME) प्रणाली के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दी गई सेवाओं के लिए चिकित्सकों को क्रेडिट पॉइंट्स दिए जाएं, जिससे उनका मेडिकल लाइसेंस नवीनीकरण किया जा सके। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण ग्रामीण नागरिकों को उचित इलाज नहीं मिल पाता है। यदि पंजीकृत चिकित्सक गांवों में स्वेच्छा से सेवा दें, तो बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं वहां तक पहुंच सकती हैं। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुसार, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने उटए प्रणाली में कुछ अहम सुधार किए हैं। वर्तमान में काउंसिल के तहत लगभग दो लाख चिकित्सक कार्यरत हैं।

हर पांच साल में इनका मेडिकल लाइसेंस नवीनीकरण किया जाता है, जिसके लिए क्रेडिट पॉइंट्स की आवश्यकता होती है। पहले ये पॉइंट्स शैक्षणिक सेमिनारों में भाग लेकर ही मिलते थे, लेकिन अब ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर, शल्य चिकित्सा और अन्य समाजसेवी स्वास्थ्य गतिविधियों में भाग लेने से भी ये पॉइंट्स मिलेंगे। इससे युवा चिकित्सकों को ग्रामीण स्वास्थ्य समस्याएं समझने का अवसर मिलेगा, वहीं शहरी चिकित्सक वैज्ञानिक रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य स्थिति का अध्ययन कर सकेंगे। पहले से कई डॉक्टर ऐसी सेवा कर रहे हैं, अब इसे उटए प्रणाली में औपचारिक मान्यता दी जाएगी।

मुख्य सुधारः

गांवों में आयोजित चिकित्सा या सर्जिकल शिविरों में 3 घंटे सेवा पर 1 पॉइंट और 6 घंटे सेवा पर 2 पॉइंट दिए जाएंगे।

इन पॉइंट्स से मेडिकल लाइसेंस नवीनीकरण में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री सहायता निधि, धमार्दाय अस्पताल, और सरकारी मेडिकल कॉलेजों सहित लगभग 4,500 अस्पताल इस योजना में शामिल हैं।

9,500 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन अब तक हो चुका है, जो मुख्यमंत्री सहायता कक्ष, धमार्दाय आयुक्त व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से आयोजित किए गए हैं।

इन शिविरों में करीब 50% पंजीकृत डॉक्टर भाग लेते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ इलाज संभव होता है।

फास्ट ट्रैक

अखिलेश यादव को धमकी देने वाले के खिलाफ प्रदर्शन

जलालाबाद में कार्यकताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

शाहजहांपुर , जलालाबाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिला उपाध्यक्ष जीवेंद्र वाजपेई के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता दोपहर 1 बजे एसडीएम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम दुर्गेश यादव को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि सोशल मीडिया पर लखीमपुर के अमरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी का वीडियो वायरल हो रहा है। सपा कार्यकताओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपी को जेल नहीं भेजा गया तो वे जन आंदोलन करेंगे। कार्यकताओं ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता जताई।

ठाणे जिले की जल समस्या के समाधान के लिए कालू बांध महत्वपूर्ण : एकनाथ शिंदे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी, भिवंडी ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या के समाधान के लिए महत्वपूर्ण कालू बांध को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। इसके लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज यहां निर्देश दिया कि संबंधित प्रशासनिक एजेंसियां भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास कार्यों में समन्वय और तेजी लाएं। इस संबंध में मंत्रालय में आयोजित बैठक में जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, उपमुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कपूर, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, जल संसाधन विभाग के परियोजना समन्वयक सचिव संजय बेलसरे, ठाणे जिला कलेक्टर अशोक शिनगारे, जल संसाधन विभाग के कार्यकारी निदेशक अतुल कपोले और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पालघर जिला कलेक्टर और ठाणे और पालघर जिलों के वन विभाग के अधिकारियों ने टेलीकांफ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। मुंबई महानगर क्षेत्र के शहरों में पानी की समस्या के समाधान के लिए कालू बांध परियोजना महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कई वर्षों से स्वीकृत है और प्रशासनिक एजेंसियों को निजी भूमि अधिग्रहण, वन भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास का काम तुरंत पूरा करने की जरूरत है। उपमुख्यमंत्री ने पालघर के जिलाधिकारी को कालू परियोजना के लिए प्रभावित वन भूमि के बदले वैकल्पिक वनरोपण के लिए पालघर जिले में उपलब्ध भूमि की जानकारी सोमवार तक देने का निर्देश दिया। ठाणे जिला कलेक्टर को भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रशासनिक मामलों के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इस परियोजना से प्रभावित होने वाले गांवों के लिए तुरंत पुनर्वास योजना तैयार करने और भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस समय शिंदे ने कहा कि इस परियोजना को समय सीमा के भीतर पूरा करने की भी अपील की, क्योंकि यह ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी और भिवंडी ग्रामीण क्षेत्रों में जल जमाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंबरनाथ में यंत्र इंडिया लिमिटेड (आयुध निर्माणी) में अंतर निमार्णी बैडमिंटन टूनार्मेंट 2025 का आयोजन किया गया

देश भर के आठ आयुध निर्माणियों ने 11 से 13 अप्रैल के मध्य आयोजित बैडमिंटन टूनार्मेंट में हिस्सा लिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्थित ऑर्डनेंस फैक्टरी अंबरनाथ वेस्ट क्लब में यंत्र इंडिया लिमिटेड (आयुध निमार्णी) के सौजन्य से 11 से 13 अप्रैल के मध्य अंतर निमार्णी बैडमिंटन टूनार्मेंट 2025 का आयोजन किया गया। बैडमिंटन टूनार्मेंट का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक ओ.एफ.ए.संजय श्रीवास्तव ने किया। आयुध निमार्णी अंबरनाथ के कार्मिक प्रबंधक मनीष कुमार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस टूनार्मेंट में देश के विभिन्न राज्यों से 8 आयुध निर्माणियों के प्रतिनिधि खिलाड़ियों ने टूनार्मेंट में हिस्सा लिया। संपूर्ण टूनार्मेंट खिलाड़ियों की उच्चकोटी की खेल भावना, असाधारण प्रबंधकीय कौशल, उत्कृष्ट प्रशिक्षण, खिलाड़ियों के खेल कौशल, लगन, निष्ठा, कड़ी मेहनत आदि ने इस बैडमिंटन टूनार्मेंट को सफलता के मुकाम तक पहुंचाया। रविवार को टूनार्मेंट का समापन समारोह निदेशक मानव संसाधन, सीएमडी, वाई.आई.एल. (अतिरिक्त प्रभार) एवं अध्यक्ष वाई.एल. स्पोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल गुरुदत्त रे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समापन समारोह में ऑर्डनेंस फैक्ट्री स्कूल के बच्चों ने लेझिम डांस की शानदार प्रस्तुति द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध करते हुए कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

बैडमिंटन टूनार्मेंट के विजेता खिलाड़ी

मिक्स्ड डबल्स विजेता - के.पी. सिंह एवं श्रुति शर्मा (आयुध निमार्णी मुरादनगर)

महिला युगल विजेता - स्मृति यादव एवं योगिता तकली कार (आयुध निमार्णी अंबाझरी)

पुरुष युगल विजेता- श्रीकेश बाबू एवं समीर साहू (आयुध निमार्णी अंबाझरी)

महिला एकल विजेता- श्रीकेश स्मृति यादव (आयुध निमार्णी अंबाझरी)

पुरुष एकल विजेता- मनोज परियार (आयुध निमार्णी भुसावल)

कलान में विवाहिता की संदिग्ध मौत

पिता बोले–एक लाख और सोने की चेन की मांग रहे थे, पति समेत 4 लोगों पर केस दर्ज

कलान, कलान थाना क्षेत्र के रोहन नगला में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मृतका प्रीति की शादी दो साल पहले रोहन नगला निवासी अशोक के साथ हुई थी। मृतका के पिता रघुवीर वर्मा ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल वाले सोने की चेन और एक लाख रुपए की मांग करने लगे। जब प्रीति ने बताया कि उसके परिवार की इतनी हैसियत नहीं है, तो उसे रोजाना मारपीट कर प्रताड़ित किया जाने लगा। 13 अप्रैल को रघुवीर को सूचना मिली कि उनकी बेटी की तबीयत खराब है। जब वह ससुराल पहुंचे तो प्रीति की मृत अवस्था में मिली। पिता की शिकायत पर पुलिस ने मृतका के पति अशोक, ससुर रमेश, सास और ननद के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। कलान के कार्यवाहक थाना प्रभारी अनवार अहमद ने बताया कि मामले में धारा 304बी, 498ए और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एम एल सी गोपाल जी का ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने हर्षोल्लास से मनाया जन्मदिन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र), मान्धाता ब्लाक में आयोजित समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि उपस्थित विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह (गोपाल जी) का जन्मदिन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर जनसत्ता दल के झंडे के कलर में केक मंगाया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री मोती सिंह की उपस्थिति में एम एल सी गोपाल जी ने केक काटा, ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने केक खिलाकर एम एल सी गोपाल जी को जन्मदिन की बधाई दी। जन्मदिन की बधाई देते हुए ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने कहा कि एम एल सी गोपाल जी आम जनता और गरीब मजदूर के नेता हैं हमेशा गांव गांव से चुनकर आए जनप्रतिनिधि का ख्याल रखा है। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद ने कहा कि क्षेत्र के विकास में पिछले सत्ताइस साल के दरम्यान अहम भूमिका रही है। जन्मदिन कार्यक्रम पर एम एल सी गोपाल जी ने ब्लाक प्रमुख इसरार अहमद और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अशफाक अहमद और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सराहना की।

शराब पीने के दौरान पराली में लगी थी आग

तिलहर में खेत में जले शव का खुलासा, ताऊ को फंसाने की थी साजिश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे किनारे खेत में मिले जले शव के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है, जो फूलचंद का पुत्र और ग्राम नगरिया तालुका गोपालपुर का निवासी है। कुलदीप पिछले 6 साल से हरिद्वार की सिडकुल में एक कंपनी में मजदूर के रूप में काम करता है। वह 31 मार्च को हरिद्वार से निकला और 1 अप्रैल को अपने मामा के यहां मीरानपुर कटरा पहुंचा। 8 अप्रैल को वह अपने ताऊ से जमीन के विवाद पर बात करने के लिए तिलहर आया। नगरिया मोड पर उतरने के बाद उसने एक मंदबुद्धि युवक को देखा। उसने युवक को शराब पिलाने का लालच देकर नेशनल हाईवे के किनारे खेत में ले गया। शराब पीने के बाद युवक ने अपनी शर्ट और जूते उतारकर पराली पर लेट गया। इसी दौरान कुलदीप ने सिगरेट जलाई और गलती से माचिस की तीली पराली पर गिर गई। इससे आग लग गई और युवक जल गया। घबराहट में कुलदीप ने पहले मौके पर आए लोगों को बताया कि उसके ताऊ ने आग लगाई है। फिर उसने 112 पर फोन करके झूठी सूचना दी कि उसके ताऊ और कुछ अज्ञात लोगों ने उससे और उसके मेरठ निवासी दोस्त संदीप से मारपीट कर पैसे छीने और दोस्त को जला दिया। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार के अनुसार पूछताछ के आधार पर मामले का खुलासा किया गया है। पुलिस आगे की जांच और कार्यवाही कर रही है।

तिलहर में स्वास्थ्य सेवाओं को मिली मजबूती

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से दो नई एंबुलेंस की शुरूआत, ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगी त्वरित सेवा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर , तिलहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ओमेंद्र राठौर ने दो नई सरकारी एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन एंबुलेंस का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता पहुंचाना है। डॉ. राठौर नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ-साथ क्षेत्र के सभी ग्रामीण प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस अवसर पर डॉ. राठौर ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ कोमल और मैत्रीपूर्ण व्यवहार किया जाए। उनके अनुसार, अच्छा व्यवहार दवा के साथ-साथ मरीज की स्वास्थ्य लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कदम सरकार और उच्च अधिकारियों के निदेर्शों के अनुरूप उठाया गया है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

सड़क हादसे में छात्र की मौत

वैन से टकराई बाइक, दोस्त से मिलने जा रहा था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, तिलहर कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 15 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहल्ला मीरगंज निवासी शायर शमशाद आतिफ के पुत्र अयान के रूप में हुई है। घटना जैतीपुर रोड पर हुई। अयान मोटरसाइकिल से अपने दोस्त से मिलने खैरपुर मार्ग की तरफ जा रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क पर एक भैंस आ गई। भैंस से बचने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित बाइक सामने से आ रही इको वैन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अयान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मृतक के परिजनों को सूचित किया। घटना के समय अयान के परिवार के अन्य सदस्य खटीमा गए हुए थे। उसके पिता शमशाद आतिफ कस्बे में ही थे। वे मौके पर पहुंचे और अपने पुत्र की शिनाख्त की।

आपसी विवाद में विधायक की कार पर हमला

शाहजहांपुर में समर्थक और उसके रिश्तेदार के बीच है विवाद, हिरासत में एक आरोपी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह की इस्तेमाल की जाने वाली कार पर हमले का मामला सामने आया है। यह घटना जैतीपुर थाना क्षेत्र के नवादा गांव में हुई। विधायक बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती के एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के दौरान किसी ने उनके समर्थक अरिमर्दन सिंह की कार के टायर में गर्म सरिया घुसा दिया। एक अन्य गाड़ी को स्क्रैच लगाकर क्षतिग्रस्त किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि यह घटना व्यक्तिगत रंजिश का नतीजा है। कार मालिक अरिमर्दन सिंह का अपने मौसेरे भाई जलवेंद्र सिंह से पुराना विवाद चल रहा है। विधायक ने बताया कि घटना के समय पुलिस की ड्यूटी लगी हुई थी। उन्होंने तुरंत एसपी को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी गई सुरक्षा और सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद यह घटना हुई। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एसपी राजेश द्विवेदी के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बिजली विभाग के जेई पर महिला ने लगाया गंभीर आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला और विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का मामला सामने आया है। महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में महिला ने जेई पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि वह बिजली का बिल जमा करने पावर हाउस गई थी। वहां जेई ने उसे अपने कमरे पर आने के लिए कहा। महिला ने आरोप लगाया कि जेई ने कई लोगों को नौकरी से निकाला है। एक करीबी कर्मचारी को भी उन्होंने नौकरी से निकाल दिया। जो अब बेरोजगार है। दूसरी तरफ, जेई ने भी एसपी को प्रार्थना पत्र देकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने महिला के आरोपों को पूरी तरह से झूठा बताया है। जेई का कहना है कि वह उस महिला को जानते तक नहीं हैं। कभी मिले भी नहीं हैं। उन्होंने बताया कि एक प्राइवेट कर्मचारी का दूसरे उपकेंद्र पर ट्रांसफर हुआ था। वह कर्मचारी वहां जाना नहीं चाहता था और दबाव बना रहा था। जेई ने आरोप लगाया है कि वीडियो वायरल करने वाली महिला उसी कर्मचारी की करीबी है। यह पूरा मामला उनको बदनाम करने का षड्यंत्र है। उन्होंने बताया कि उस कर्मचारी की पत्नी ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया है। सदर थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि जेई की तरफ से मिले प्रार्थना पत्र की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत संवाद परिवार

1–संरक्षक–भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2–संरक्षक–भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3–संरक्षक–भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4–कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5–उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

चीन ने बोइंग जेट की डिलीवरी लेने से इनकार किया

अमेरिकी टैरिफ के जवाब में फैसला; कीमती मेटल्स की सप्लाई भी रोकी

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को अमेरिकी विमान निमार्ता कंपनी बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक बीजिंग ने अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स और डिवाइसेस की खरीद रोकने का आदेश भी दिया है। चीन ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में जारी किया है। बोइंग एयरप्लेन एक अमेरिकी कंपनी है, जो एयरप्लेन, रॉकेट, सैटेलाइट, टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और मिसाइल बनाती है। कंपनी की स्थापना 15 जुलाई 1916 को विलियम बोइंग ने की थी। कई देशों की एयरलाइंस कंपनियां बोइंग के बनाए गए प्लेन का इस्तेमाल करती हैं। बोइंग अमेरिका की सबसे बड़ी एक्सपोर्टर कंपनी है और यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिफेंस डील करने वाली कंपनी भी है। चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर भी रोक

लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ेगा। ये महंगे हो जाएंगे। चीन ने 4 अप्रैल को इन 7 कीमती धातुओं के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। आदेश के मुताबिक ये कीमती धातुएं और उनसे बने खास चुंबक सिर्फ स्पेशल परमिट के साथ ही चीन से बाहर भेजे जा सकते हैं। रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स को जैसे को तैसा टैरिफ से छूट दी गई है, लेकिन यह कुछ ही समय के लिए है। उन्होंने सेमीकंडक्टर सेक्टर और पूरी इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन की जांच शुरू करने का ऐलान किया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन इलेक्ट्रॉनिक्स पर अलग से टैरिफ लगाया जाएगा। इससे पहले अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने कहा था कि स्मार्टफोन और कंप्यूटर समेत दूसरी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को दी गई छूट अस्थायी है। उन्होंने कहा कि अगले 2 महीनों में इन चीजों पर एक अलग टैरिफ लगाने का प्लान है। इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। लुटनिक ने कहा कि नए टैरिफ नेशनल सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए लगाए जाएंगे, ताकि इन प्रोडक्ट का उत्पादन अमेरिका में हो सके। अमेरिकी कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) ने शनिवार को नोटिस जारी कर कहा था कि स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स को रेसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी गई है। इस फैसले को कई अमेरिकी टेक कंपनियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। पिछले हफ्ते ट्रम्प की टैरिफ नीति में लगातार बदलाव से वॉल स्ट्रीट में 2020 की कोविड महामारी के बाद से सबसे बड़ी उथल-पुथल देखी गई। स्टैंडर्ड एंड पूअर्स 500 इंडेक्स 20 जनवरी को ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद से 10% से ज्यादा गिर गया।

जिनेवा में नीलाम होगा भारत का गोलकोंडा ब्लू हीरा

कीमत 430 करोड़ रुपए आंकी गई; इंदौर और बड़ौदा के राजाओं से कनेक्शन

एजेंसी

भारत की शाही विरासत से जुड़ा हीरा गोलकोंडा ब्लू पहली बार नीलामी में बिकने जा रहा है। यह 23.24 कैरेट का चमकदार नीला हीरा है, जिसे मशहूर पेरिस के ज्वेलरी डिजाइनर खअफ ने एक खूबसूरत अंगूठी में जड़ा है। इसे 14 मई को जिनेवा में क्रिस्टीज नाम की नीलामी कंपनी नीलाम करेगी। इसकी कीमत 300 से 430 करोड़ रुपए (35 से 50 मिलियन डॉलर) के बीच आंकी गई है। क्रिस्टीज का कहना है कि इतने खास और शाही हीरे बहुत ही कम बार

बिकने के लिए आते हैं। इसके पहले भी उन्होंने कुछ ऐतिहासिक गोलकोंडा हीरे नीलाम किए हैं, जैसे - अर्चड्यूक जोसेफ, प्रिंसी और विटेल्सबाख हीरे। नाशपाती के आकार का यह हीरा भारत की राजशाही से जुड़ा हुआ है। क्रिस्टीज के मुताबिक, यह हीरा महाराजा यशवंत राव होल्कर (इंदौर) के पास था। महाराज यशवंत राव होल्कर 1920-30 के दशक में अपनी लक्जरी और इंटरनेशनल लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते थे। इस हीरे को यशवंत राव के पिता पेरिस के फेमस ज्वेलरी ब्रांड शॉमेट से इंदौर पियर्स हीरे खरीदे थे। 1923 में उन्होंने शॉमेट से अपने 23 कैरेट के नाशपाती के आकार वाले ब्लू डायमंड को जड़वाकर एक ब्रेसलेट बनवाया था। 1933 में महाराजा यशवंत राव ने मॉबूसेन को अपना आधिकारिक जौहरी नियुक्त किया। मॉबूसेन ने उनके गहनों को नए डिजाइन में ढाला। उसने एक लंबा हार बनाया, जिसमें गोलकोंडा ब्लू और इंदौर पियर्स दोनों शामिल थे। किंग ऑफ डायमंड के नाम से मशहूर अमेरिकी जौहरी हैरी विंस्टन ने 1946 में इंदौर पियर्स और 1947 में ब्लू डायमंड को खरीदा। उन्होंने बाद में इसे एक ब्रोच में सेट किया। इसमें एक 23 कैरेट का सफेद हीरा भी था। इस ब्रोच को बाद में बड़ौदा के महाराजा ने खरीदा।

गाजा में इजराइली हमले में 6 भाइयों की मौत

विस्थापितों को खाना खिला रहे थे; हमास की नुखबा फोर्स के लीडर को भी मारा

एजेंसी

गाजा सिटी, गाजा के अल-बलाह में रविवार रात हुए इजराइली हमले में 37 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 6 भाई हैं। इनकी उम्र 10 साल से 34 साल के बीच है। ये लड़के गाजा में विस्थापित परिवार के लोगों को खाना बांट रहे थे। मारे गए इन लड़कों के पिता जकी अबु महदी ने कहा कि उनके बेटे सिर्फ लोगों की मदद कर रहे थे, किसी भी सैन्य गतिविधि से उनका कोई संबंध नहीं था। इस बीच इजराइली सेना ने दावा किया कि उनका निशाना एक मिलिट्री टार्गेट था। हालांकि गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने इसे गलत ठहराया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस हमले की निंदा की और गाजा में चिकित्सा सहायता की देरी से एक बच्चे की मौत की भी सूचना दी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध शुरू होने से अब तक 50,944 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजराइल ने हमास की नुखबा फोर्स के एक लीडर हमजा वायल मुहम्मद असाफा मार गिराने की पुष्टि की है। हमजा इजराइल पर 7 अक्टूबर के हमले और बंधकों की रिहाई एक फेज में शामिल था। इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के मुताबिक हमजा की मौत दो हफ्ते पहले सेंट्रल गाजा में एक हमले में हुई थी। हमजा ने इजराइल

बंधक एलियाहु शाराबी, ओहद बेन-अमी और ओर लेवी की रिहाई के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था इजराइल ने 1000 सैनिकों को नौकरी से निकाला है। इन्होंने गाजा जंग पर सवाल उठाया था, कहा था- ये जंग अब राजनीतिक मकसद पूरा कर रही। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने अपने लगभग 1000 रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया है। इजराइल के सैन्य प्रमुख ईयार जमीर और वायु सेना ने रिजर्विस्टों को बर्खास्त करने का फैसला किया है। हालांकि अभी यह मालूम नहीं है कि ये बर्खास्तगी कब से होगी। इन सैनिकों ने गाजा में चल रहे जंग के खिलाफ आवाज उठाई थी और बंधकों की रिहाई को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल युद्धविराम की मांग की थी। इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 12 अप्रैल को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है।

मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है। काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये सब गाजा के दूसरे इलाके में भी होना शुरू हो जाएगा। काट्ज ने कहा कि राफा को अब इजराइली सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया है। इजराइली सिक्योरिटी जोन का मतलब मतलब उन जगहों से है, जिन्हें इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी मानता है और उन्हें कंट्रोल करता है।

ट्रम्प बोले- कट्टर लोगों को न्यूक्लियर हथियार नहीं रखने देंगे

ईरान पर न्यूक्लियर डील में देरी का आरोप लगाया; परमाणु फैसिलिटी पर एयरस्ट्राइक की धमकी दी

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को ये सोचना बंद कर देना होगा कि वह न्यूक्लियर हथियार रख सकता है। ये कट्टर लोग हैं और इन्हें न्यूक्लियर हथियार रखने नहीं दिया जा सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान ऐसा नहीं करता है तो हम उसकी न्यूक्लियर फैसलिटी पर मिलिट्री स्ट्राइक करेंगे। ट्रम्प ने ईरान पर ये आरोप भी लगाया कि वह अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील साइन करने में जानबूझकर देरी कर रहा है। ट्रम्प की चेतावनी ऐसे समय में आई है

जब अमेरिका और ईरान के बीच कुछ दिन पहले ही ओमान में बातचीत हुई है। अब अगले दौर की बातचीत 19 अप्रैल को रोम में होगी। इस महीने की शुरूआत में अमेरिका ने हिंदमहासागर के दूरदराज के द्वीप डिएगो गार्सिया में कम से कम छह इ-2 स्टील्थ बॉम्बर तैनात किए थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसा करके अमेरिका ईरान को डराना-धमकाना चाहता है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि ईरान हथियार बनाने लायक स्तर तक का यूरेनियम शुद्ध करने की प्रक्रिया तेज कर रहा है। 2015 में अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने ईरान और पांच अन्य बड़े देशों के साथ हुई न्यूक्लियर डील से अमेरिका को बाहर निकाल लिया था। नए परमाणु समझौते को लेकर ओमान में हुई पहले दौर की बातचीत में ट्रम्प के मध्य-पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल हुए। व्हाइट हाउस ने इन बातचीत को 'सकारात्मक और रचनात्मक' बताया। बातचीत को लेकर ट्रम्प ने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान हमें सिर्फ टाल रहा है। लेकिन फिर भी हमें उम्मीद है कि ईरान बहुत जल्द कोई समझौता करेगा।' ओमान में हुई बैठक से पहले ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ा, तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ट्रम्प की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी परमाणु हथियार न हासिल कर सके।

गैर-मुस्लिमों को रखा जाए बाहर

केंद्र के वक्फ बिल के खिलाफ विष्णु शंकर जैन ने दायर की याचिका

एजेंसी

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ कई याचिकाओं के बीच सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में मूल कानून-वक्फ अधिनियम, 1995 की संवैधानिक वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि यह मुसलमानों को अनुचित लाभ प्रदान करता है और गैर-मुसलमानों के साथ भेदभाव करता है। अधिवक्ता हरि शंकर जैन और मणि मुंजाल ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर की, जिसमें वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 3(आर), 4, 5, 6(1), 7(1), 8, 28, 29, 33, 36, 41, 52, 83, 85, 89, 101 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई। यह तर्क दिया गया है कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 27 और 300ए के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील विष्णु शंकर जैन ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के समक्ष याचिका का उल्लेख किया और इसे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली अन्य याचिकाओं के साथ कल तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह अनुरोध पर विचार करेंगे।

याचिकाकर्ता चाहते हैं

याचिकाकर्ताओं के वकील विष्णु शंकर जैन ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के समक्ष याचिका का उल्लेख किया और इसे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली अन्य याचिकाओं के साथ कल तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह अनुरोध पर विचार करेंगे।

निम्नलिखित निर्देश

1. सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह उन व्यक्तिगत या धार्मिक हिंदू संपत्तियों की पहचान करे जो वक्फ द्वारा ली गई हैं।

2. वक्फ के अंतर्गत आने वाली शामलात देह (पूरे गांव की साझा भूमि), शामलात पट्टी (विशिष्ट गांव समूह की साझा भूमि) या जुमला मुल्कन (कई व्यक्तियों के संयुक्त स्वामित्व वाली भूमि) को वापस लेना।

3. वक्फ अधिनियम की धारा 4 और धारा 5 के दायरे से हिंदुओं/गैर-मुस्लिमों को बाहर करना और धारा 6(1) और 7(1) के तहत 'पीड़ित किसी भी व्यक्ति' को बाहर करना।

(4) वक्फ से संबंधित विवादों में हिंदुओं/गैर-मुस्लिमों को सिविल न्यायालयों में जाने की अनुमति देना।

(5) गैर-मुस्लिमों को वक्फ अधिनियम की धारा 83 और 85 के दायरे से बाहर रखा जाए। वक्फ बोर्ड और गैर-मुस्लिमों की संपत्तियों के बीच विवादों का फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल के बजाय सिविल कोर्ट द्वारा किया जाना चाहिए।

'इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए':अखिलेश यादव

सपा नेताओं के बयान पर बोले अखिलेश यादव

अखिलेश ने कहा कि समाजवादियों ने इतनी प्रगतिशील चीजें की हैं, इतनी प्रगतिशील बातें कही हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल उठाया था।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज के भारत के मंदिरों पर दिए गए बयान पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने उनका बयान नहीं सुना है, मैंने रामजी लाल सुमन का बयान भी नहीं सुना है लेकिन मैं पार्टी में कहूंगा कि इतिहास से जुड़ा कोई सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर इतिहास की चीजें हमें अच्छा रास्ता नहीं दिखा सकती हैं, अगर यह हमें सकारात्मक रास्ते पर नहीं ले जा सकती हैं, अगर यह हमें सकारात्मक दिशा नहीं दे सकती हैं, तो

इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए। इतिहास पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि समाजवादियों ने इतनी प्रगतिशील चीजें की हैं, इतनी प्रगतिशील बातें कही हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने उस बयान का बचाव किया जिसमें उन्होंने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल उठाया था। एएनआई से बात करते हुए सरोज ने कहा कि देश के देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। समाजवादी पार्टी के विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से इस देश में आया और देश को लूटा। मुहम्मद गौरी इस देश को लूटने आया था। तो इस देश के देवी-देवताओं ने क्या किया? इंद्रजीत सरोज ने आगे कहा कि देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए था। वे राख हो जाते, मर जाते और अंधे हो जाते। इसका मतलब है कि कुछ कमी है और हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं हैं। सरोज ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर भारत के मंदिरों में शक्ति होती तो मोहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनवी और मोहम्मद गौरी जैसे आक्रमणकारी देश में नहीं आते। इसी बीच समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने एक और बयान देकर सियासत तेज कर दी है। आंबेडकर जयंती के मौके पर उन्होंने आगरा में स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि गड़े मुर्दे उखाड़ने की जरुरत नहीं है। तुम्हारा कहना है कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर है। हमें यह कहना पड़ेगा कि हर मंदिर के नीते बौद्ध मठ है। वो ये बयान देकर ही नहीं रुके।

हमें सभी शक्तियों की जरूरत, केंद्र के साथ चल रहे टकराव के बीच स्टालिन ने पेश कर दिया तमिलनाडु को स्वायत्त करने का प्रस्ताव

स्टालिन की घोषणा पूर्व सीएम एम करुणानिधि द्वारा 1969 में की गई इसी तरह की पहल की याद दिलाती है, जब विधानसभा में राज्य की स्वायत्तता पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को इस मुद्दे की जांच करने का काम सौंपा गया था। निष्कर्षों को बाद में 1974 में एक अन्य प्रस्ताव के माध्यम से अपनाया गया था।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर कड़ा हमला करते हुए उस पर राज्यों के अधिकारों का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्टालिन ने राज्य विधानसभा में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की घोषणा की। यह समिति संघवाद से जुड़े सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी और तमिलनाडु के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य सरकार को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी। स्टालिन की घोषणा पूर्व सीएम एम करुणानिधि द्वारा 1969 में की गई इसी तरह की पहल

की याद दिलाती है, जब विधानसभा में राज्य की स्वायत्तता पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को इस मुद्दे की जांच करने का काम सौंपा गया था। निष्कर्षों को बाद में 1974 में एक अन्य प्रस्ताव के माध्यम से अपनाया गया था। स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने कई प्रमुख मुद्दों पर मोदी सरकार के साथ बार-बार टकराव किया है, जिसमें भाषा नीति, कुलपतियों की नियुक्ति और परिसीमन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबकि संविधान संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के माध्यम से जिम्मेदारियों के विभाजन को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है।

'अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं'

सीएम रेखा गुप्ता ने फीस बढ़ोतरी के खिलाफ निजी स्कूलों को चेताया

रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस वृद्धि के लिए नियम और कानून हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई स्कूल इन सब में लिप्त पाया जाता है, तो उसे भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि हम आज उन सभी स्कूलों को नोटिस जारी करेंगे जिनके बारे में हमें शिकायतें मिली हैं।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि असामान्य रूप से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। अभिभावकों की शिकायतों का जवाब देते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार अनुचित वृद्धि के आरोपी स्कूलों को नोटिस भेज रही है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपनी शिकायतों के साथ मुझसे मिल रहे हैं। यह पक्का है। किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार

नहीं है। उन्हें बच्चों को धमकाने और असामान्य रूप से फीस बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस वृद्धि के लिए नियम और कानून हैं जिनका पालन किया जाना चाहिए। अगर कोई स्कूल इन सब में लिप्त पाया जाता है, तो उसे भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि हम आज उन सभी स्कूलों को नोटिस जारी करेंगे जिनके बारे में हमें शिकायतें मिली हैं। यह मुद्दा तब सामने आया जब द्वारका में एक निजी स्कूल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों ने आरोप लगाया कि उनके बच्चों को लगभग 25 दिनों तक लाइब्रेरी में ही बंद रखा गया है, जिसे उन्होंने लाइब्रेरी अरेस्ट कहा है। एक अभिभावक ने दावा किया कि 20 मार्च से स्कूल प्रबंधन छात्रों को स्कूल के समय लाइब्रेरी में ही रोके हुए है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने पुष्टि की कि फीस बढ़ोतरी के बारे में बार-बार शिकायतें मिलने के बाद एक निरीक्षण दल ने द्वारका के स्कूल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि शहर भर के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को स्कूलों का निरीक्षण करने और विनियामक अनुपालन का आकलन करने के लिए डिजाइन किए गए 18-सूत्रीय प्रश्नावली के जवाब एकत्र करने का निर्देश दिया गया है। सूद ने कहा, इस मामले को देखने के लिए शिक्षा के उप निदेशक और लेखा निदेशक की एक समिति भी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों के लिए फीस बढ़ोतरी के बारे में शिकायत दर्ज करने के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी शुरू की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक विवाद को भी जन्म दे दिया है

संक्षेप

जान से मारने की धमकी देने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

बांदा पुलिस ने आरोपियों के पास से बरामद किया तमंचा और कारतूस

बांदा, बांदा में पुलिस ने जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी के पास से अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। थाना मरका क्षेत्र के ग्राम खेरा निवासी बाबूलाल ने 11 अप्रैल को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने जबरन वसूली की कोशिश की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मरका पुल के पास से चारों आरोपियों को पकड़ लिया। अवैध हथियार बरामदगी के संबंध में थाना मरका में अलग से मामला दर्ज किया गया है।

अतीक-अशरफ के हत्यारे लवलेश का परिवार

बांदा में पिता बोले– ने दो साल से नहीं की मुलाकात, वह हमारे लिए मर चुका है

बांदा, प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के आरोपी लवलेश तिवारी का परिवार बांदा में डर के साए में जी रहा है। लवलेश दो साल से चित्रकूट जेल में बंद है। बांदा के क्योटरा मोहल्ले में किराए के मकान में रह रहे लवलेश के पिता यज्ञ कुमार तिवारी ने पिछले दो वर्षों में एक बार भी बेटे से जेल में मुलाकात नहीं की है। उनका कहना है कि लवलेश से अब उनका कोई नाता नहीं है। वह पहले एक प्राइवेट स्कूल में बस चालक का काम करते थे। लवलेश की मां अकेली ही जेल में बेटे से मिलने जाती हैं। मुलाकात के दौरान मां-बेटे सिर्फ हाल-चाल पूछ पाते हैं। यज्ञ कुमार का कहना है कि बेटे के कृत्य से उन्हें डर लगता है। उनके पास इतने पैसे भी नहीं हैं कि वे लवलेश के लिए वकील कर सकें। लवलेश की मां के अनुसार, उनका बेटा धार्मिक प्रवृत्ति का था। हर मंगलवार को संकट मोचन मंदिर जाकर पूजा करता था। घटना से 5-6 दिन पहले वह घर से निकल गया था।

व्यापारी से लूट के आरोपी पर 10 हजार का इनाम

बांदा पुलिस ने की घोषणा, बाइक सवार बदमाशों ने छीने थे एक लाख रुपए

बांदा, पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत थाना अतर्रा क्षेत्र में हुई व्यापारी लूट के मामले में फरार आरोपी की जानकारी देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। अतर्रा के शांतिधाम स्कूल के पास कैलाशचंद्र से मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने एक लाख रुपए लूट लिए थे। इस मामले में थाना अतर्रा में धारा 309(4)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

केशव बोले- अखिलेश का फूट चुका है पीडीए का गुब्बारा

प्रयागराज में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लगाया जनता दरबार, कार्यकताओं से भी किया संवाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज में रहे। लखनऊ रवाना होने के पहले वह चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में जनता दरबार में जनता की समस्याओं से अवगत हुए और उनके समस्याओं के निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके पूर्व उन्होंने कार्यकताओं से भेंट किया और कहा कि आगामी होने वाले जिला पंचायत और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की मजबूती के साथ तैयारी करें। विधानसभा चुनाव 2027 में सपा के अखिलेश यादव अपनी पार्टी का सूपड़ा साफ होने की आशंका से बौखला चुके हैं। इस कारण वह अनर्गल बयान देकर सामाजिक तानाबाना तोड़ने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। उनकी अपनी यह नीति भी उनकी पार्टी के लिए भस्मासुर साबित होगी, यह तय है। सपा का फर्जी पीडीए का गुब्बारा फूट चुका है। केशव प्रसाद मौर्य ने आगे कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व के मंत्र पर काफी गंभीरता से सकारात्मक कार्य कर रही है। बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर जी की जयंती पर भाजपा को मिला ऐतिहासिक जनसमर्थन भी सपा को हजम नहीं हो रहा है। उसका हाजमा खराब हो गया है। सपा सदा ही इस बात में यकीन रखती है कि कुछेक के साथ से अपने बहादुर के परिवार का विकास। सपा को कभी भी गरीबों, पिछड़ों और दलितों का विकास रास नहीं आया है।

राजनीति का इतिहास गवाह है कि दशकों तक मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते-करते कांग्रेस खुद पंक्चर हो गई है। इस कड़वी सच्चाई के बावजूद वह अभी भी जमीनी हकीकत से कोसों दूर है।

बेटे को बचाने के लिए बदमाश से भिड़ा पिता

प्रयागराज में 10 मिनट तक पकड़े रखा, पैर में गोली मारकर लूटपाट कर भागे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, मऊआइमा थाना क्षेत्र में एक साहसी पिता ने अपने बेटे की जान बचाने के लिए बदमाशों से भिड़ गया। तिलक समारोह से लौट रहे पिता-पुत्र को बदमाशों ने रास्ता रोककर घेर लिया। बदमाशों ने तलाशी ली, लेकिन रुपए नहीं मिलने पर मोबाइल और बाइक की चाबी छीन ली। युवक ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसकी कनपटी पर तमंचा लगा दिया। बेटे की जान खतरे में देखकर पिता होरीलाल ने एक बदमाश को दबोच लिया।

बदमाश ने खुद को छुड़ाने के लिए होरीलाल के पैर में गोली मार दी और अपने साथियों के साथ फरार हो गया। यह घटना सोमवार रात साढ़े नौ बजे की है। बहरिया पुलिस ने पीड़ित होरीलाल की शिकायत पर पांच अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घायल होरीलाल को पहले टीबी सप्रू अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्वरूप रानी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं।

हुडा वेलफेयर ट्रस्ट के कार्यालय में तीन घंटे जांच

❍ अमेठी में विदेशी फंडिंग मामले में एटीएस की कार्रवाई, दस्तावेज लेकर टीम लखनऊ रवाना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, लखनऊ से आई एटीएस की तीन सदस्यीय टीम ने अमेठी में विदेशी फंडिंग के मामले की जांच की। टीम ने जगदीशपुर स्थित हुडा वेलफेयर चैरिटेबल सोसाइटी के कार्यालय और संरक्षक के घर में तीन घंटे तक छानबीन की। जांच एक करोड़ 39 लाख रुपए की विदेशी फंडिंग से जुड़ी है। एटीएस की टीम दोपहर करीब तीन बजे जगदीशपुर पहुंची। टीम ने कार्यालय और घर की जांच के बाद महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने साथ ले लिए। हुडा वेलफेयर चैरिटेबल सोसाइटी के तहत चार विद्यालय और एक अस्पताल पंजीकृत हैं। डॉ. अतहर रैहान इस एनजीओ के निदेशक हैं। संस्था के कई अस्पताल, क्लिनिक और स्कूल विभिन्न स्थानों पर चल रहे हैं। एनजीओ के निदेशक का कहना है कि यह केवल नियमित जांच थी। स्थानीय पुलिस को एटीएस की इस कार्रवाई की पूर्व सूचना नहीं दी गई थी।

वृद्ध की मौत मामले में लापरवाह विवेचक सस्पेंड

सुलतानपुर आरोपियों एसआई पर सांठगांठ का आरोप, गिरफ्तारी के बाद जांच ठंडे बस्ते में

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कुड़वार थाने में तैनात एसआई सत्येंद्र कुमार को एसपी ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई असरोगा के नजर मोहम्मद की मौत के मामले में लापरवाही बरतने के कारण की गई है। नफीस, फिरोज और उनके साथियों ने नजर मोहम्मद के बेटे पर हमला किया था। परवेज ने कुल्हाड़ी से उनके सिर पर वार किया। बचाने आए नजर मोहम्मद और उनके रिश्तेदार गुफरान पर भी हमला किया गया। तीनों को गंभीर हालत में पहले सीएचसी कुड़वार और फिर सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। नजर मोहम्मद को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। परिजन उन्हें घर ले आए। गुरुवार की रात हालत बिगड़ने पर उन्हें फिर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नजर मोहम्मद ने कोटेदार नफीस के खिलाफ कम राशन देने की शिकायत डीएम से की थी, जिससे आरोपी नाराज थे। विवेचक सत्येंद्र कुमार पर आरोपियों से मिलीभगत का आरोप लगा। इसका वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। तत्कालीन एसओ चंद्रभान वर्मा पर भी आरोपियों को बचाने का आरोप है। ढाई महीने तक एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ। नजर मोहम्मद की मौत के बाद पुलिस ने सिर्फ एक आरोपी इखलाक को गिरफ्तार किया और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। हालांकि तत्कालीन एसओ का ट्रांसफर कर उन्हें बचा लिया गया है।

बिजली विभाग में बड़ी लापरवाही

❍ एक्सईएन समेत 25 कर्मचारी गैरहाजिर मिले, डीएम ने रोका वेतन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज सुबह विभाग के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एक अधिशासी अभियंता समेत 25 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। डीएम ने सबसे पहले सुबह 10:15 बजे अधीक्षण अभियंता कार्यालय का निरीक्षण किया। यहां 17 में से 11 कर्मचारी गैरहाजिर थे। इसके बाद 10:30 बजे 132 केवी विद्युत उपकेंद्र और कंट्रोल रूम में पहुंचीं। यहां 12 में से 6 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। विद्युत वितरण खंड द्वितीय, अमेठी के कार्यालय में 10:40 बजे निरीक्षण किया गया। यहां 9 में से 6 कर्मचारी नदारद थे। विद्युत प्रथम, गौरीगंज कार्यालय में 10:55 बजे निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता सहित 2 कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए। स्पष्टीकरण मांगा गया डीएम ने सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। साथ ही उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विभागों में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग प्रमुखों को कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

वृद्धाश्रम के 60 बुजुर्गों को चित्रकूट भेजा

डीएम निशा अनंत ने की पहल, धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए बस से किया रवाना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी की जिलाधिकारी निशा अनंत ने एक अनूठी पहल करते हुए गौरीगंज स्थित वृद्धाश्रम के 60 से अधिक बुजुर्गों को चित्रकूट के धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए भेजा है। यात्रा की शुरूआत से पहले डीएम निशा अनंत वृद्धाश्रम पहुंचीं। उन्होंने वहां मौजूद बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों से मुलाकात की। डीएम ने सभी से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बुजुर्गों को पुष्प भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस यात्रा के आयोजन में गौरीगंज के एसडीएम प्रीति तिवारी और जिला बार एसोशिएशन का सहयोग रहा। डीएम ने श्रद्धालुओं को ले जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बुजुर्ग पूरे उत्साह के साथ बसों में सवार हुए। डीएम की इस मानवीय पहल से वृद्धजनों के चेहरे पर खुशी साफ दिख रही थी। यह धार्मिक यात्रा बुजुर्गों के लिए आध्यात्मिक अनुभव के साथ-साथ उनके मनोबल को बढ़ाने में भी सहायक होगी। इस पहल ने समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश किया है।

वक्फ बिल के खिलाफ एससी में लगाई याचिका

अलीगढ़ के बसपा नेता की याचिका हुई स्वीकार, बोले–इस बिल में मुस्लिमों के हर को मारा जा रहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ अलीगढ़ के बसपा नेता और पूर्व मेयर प्रत्याशी सुप्रीम कोर्ट गए हैं। उन्होंने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ याचिका लगाई है, जिसे कोर्ट में स्वीकार कर लिया गया है।

अब इस मामले की सुनवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में याचिका स्वीकार होने के बाद उन्होंने इस मामले की जानकारी प्रेसवार्ता करके दी। बसपा नेता सलमान शाहिद ने बताया कि वक्फ संशोधन बिल एक काला कानून है और सरकार ने इसे जबरन मुसलमानों पर थोपा है। उन्होंने इस बिल के विरोध में बीते दिनों प्रदर्शन किया था और प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा था। अब वह इस बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है और उन्हें कोर्ट पर पूरा विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा और यह बिल रद्द होगा। बसपा के पूर्व मेयर प्रत्याशी ने कहा कि अगर उन्हें मुसलमानों की मदद करनी थी तो ऐसा कानून बनाते कि गलत करने वाले मुतवल्ली को बदलते। लेकिन उन्होंने ऐसा कानून बनाया है कि मुसलमानों की जमीन ही छीन ली जाए। उन्होंने कहा कि ये जमीनें हमारी विरासत हैं, हमारे बुजुर्गों ने यह हमें दी हैं। इसलिए हम इसकी लड़ाई आखिरी तक लड़ेंगे। हम कानूनी तरीके से इस लड़ाई को आखिरी तक लड़ेंगे।

एएमयू के पूर्व प्रोफेसर व मुफ्ती प्रो. जाहिद अली खान ने कहा कि यह बिल सरकार ने मुसलमानों के खिलाफ बनाया है। इस बिल को हर हाल में वापस किया जाना चाहिए। इसके लिए सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी। देश के सभी लोग जब मिलकर आवाज उठाएंगे तो निश्चित तौर पर यह बिल वापस होगा।

भाजपा का गांव-वार्ड चलो अभियान

सुलतानपुर में 848 गांवों और वार्डों में किया जनसंपर्क, चलाया स्वच्छता अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

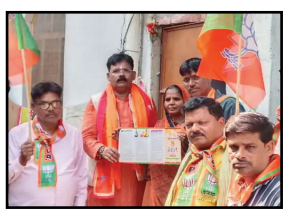

सुलतानपुर, भाजपा का गांव-वार्ड चलो अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। कार्यक्रम के जिला संयोजक विजय त्रिपाठी ने बताया कि 848 गांवों और वार्डों में अभियान पूरा हो चुका है। भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने शाहगंज वार्ड का दौरा किया। उन्होंने बूथ समिति की बैठक ली और घर-घर संपर्क किया। कार्यकताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया और शोभायात्रा निकाली। रघुवंशी ने बताया कि कार्यकर्ता सरकार का रिपोर्ट कार्ड और पार्टी की नीतियां घर-घर पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने 8 सालों में 8 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। अभियान में कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। पूर्व महामंत्री कृपाशंकर मिश्रा और निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने विवेकनगर में जनसंपर्क किया। बूथों को सक्रिय करने की अपील डॉ. रामजी गुप्ता ने करौंदिया वार्ड में लोगों से मुलाकात की। भाजपा नेत्री उपमा शर्मा ने घासीगंज वार्ड में और अजय सिंह लीडर ने घोसियाना में सघन जनसंपर्क किया। जिला महामंत्री घनश्याम चौहान वारी हमीदपुर गांव में अभियान में शामिल हुए।

बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश

5 शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक और अवैध हथियार बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नए बाईपास के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने पांच शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की पांच बाइक बरामद की हैं। इसके अलावा उनके पास से दो अवैध तमंचे और दो जिंदा कारतूस भी मिले हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर इन चोरों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे विभिन्न स्थानों से बाइक चोरी करते थे। चोरी के बाद बाइक की नंबर प्लेट बदलकर उन्हें बेच देते थे। इस तरह वे पकड़े जाने से बचते रहे।

मथुरा में अलीगढ़ के 3 बदमाश मुठभेड़ में घायल

थाना जमुनापार क्षेत्र में हुई मुठभेड़, लूट की वारदात को आए थे अंजाम देने

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना जमुनापार क्षेत्र में स्वाट, सर्विलांस और थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में 3 बदमाश मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए। अलीगढ़ के रहने वाले यह तीनों बदमाश बाइक लूटने की वारदात को अंजाम देने के लिए मथुरा आए हुए थे। मुठभेड़ में घायल हुए तीनों बदमाशों को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पैर में गोली लगने से घायल इन बदमाशों ने 8 अप्रैल को भी इसी इलाके में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। लूट की वारदात में शामिल बदमाशों की तलाश में जुटी स्वाट टीम को सूचना मिली कि यह फिर से वारदात को अंजाम देने के लिए मथुरा आए हुए हैं। स्वाट टीम को मुखबिर से मिली इसी सूचना पर सर्विलांस टीम ने काम किया और इनकी लोकेशन ट्रेस की। जिसके बाद पता चला बदमाश थाना जमुनापार क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के पास मौजूद हैं। बदमाशों की लोकेशन ट्रेस होने के बाद जमुनपार पुलिस, स्वाट टीम अलग अलग दिशाओं से यमुना एक्सप्रेस के पास वृन्दावन कट नये बाइपास पर पहुंची। जहां तीनों बदमाश दिखाई दिए। पुलिस के देखते ही बदमाशों ने पकड़ में आने से बचने के लिए फायरिंग की और भागने लगे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० –544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डी माहपे नवी मुंबई ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक – अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय– 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक– डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता– आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक– माता प्रसाद शर्मा, फिल्म– संपादक–जगन्नाथ तिवारी